मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-5, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07 , अंक - 196 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
31 दिसंबर 2023 रविवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
12 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

मोहन की 'मोहनी माया', सभी बड़ों का साथ निभाया

मोहन यादव की काबीना के गठन और मंत्रियों को विभागों के वितरण में देरी भली हुई हो लेकिन नए नवेले मुख्यमंत्री ने सियासत में संतुलन के फार्मूले के सही मायनों में साबित कर दिया। मंत्रिमंडल के गठन से लेकर विभागों के वितरण के काम में देरी और हीलाहवाली को लेकर सवाल उठाने वालों को उन्होंने करारा जवाब दे दिया है। सभी हेवीवेट मंत्रियों को उनकी रूचि के मुताबिक विबाग बांटकर मोहन यादव ने लोकसभा चुनावों के पहले की बाजी तो मार ली है। अब नए साल में सभी मंत्रियों के सामने नई चुनौतियों के साथ अपनी काबलियत का साबित करने की कसौटी पर खरा उतरना है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

यादव की काबीना में विभागों के वितरण का सबसे खूबसूरत पहलू उनका प्रेक्टिकल एप्रोच है। सभी यह बात जानते हैं कि भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अफसरों की तैनाती से लेकर उनके प्रमोशन का काम मुख्यमंत्री के दखल के बगैर नहीं होता। लेकिन आम तौर पर बरसों से गृह विभाग की कमान मुख्यमंत्री अपने पास रखने के बजाए किसी मंत्री को सौंप देता था। लेकिन होता अंतत- वही था जो मुख्यमंत्री चाहता था। गृह मंत्री के पास मन मसोसकर रहने के सिवाए कुछ नहीं रह जाता था। दिग्विजय सिंह सरीखे मुख्यमंत्री ने तो अपने पास कोई विभाग नहीं रखा था लेकिन उनका दखल हर विभाग में होता था, जिससे मंत्रियों के बीच हताशा का माहौल बन गया था।

इस लिहाज से देखा जाए तो एक दो नहीं पूरे दस विभाग की कमान सीधे अपने पास रखने वाले मोहन यादव ने राजनीतिक

पाखंड से बचने का साहसिक कदम उठाया है। उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को उन्होंने शिवराज काल में मिले विभागों को बरकरार तो रखा है, लेकिन उम्मीद की जाना चाहिए कि यादव पिछली बार की तरह उन्हें नौकरशाहों के सामने नतमस्तक होने को विवश नहीं करेंगे और उनकी भूमिका अपने विभाग में शोभा की सुपारी की नहीं होगी। दूसरे उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को लोक स्वास्थ्य के साथ चिकित्सा शिक्षा का दायित्व देकर यादव ने दांत का काम किसी को और आंत का काम किसी और को देने की प्रवृत्ति से बचने की अच्छी कोशिश की है। शुक्ल को सेहत से जुड़ा काम देकर विंध्य के साथ बुंदेलखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने और उनके विस्तार का चुनौतीपूर्ण दायित्व सौंपा है।

मोहन यादव की सबसे शानदार और जानदार सोच को कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटैल, राकेश सिंह और राव उदय प्रताप सिंह के मामले में दिखी है। कैलाश अपने विजनरी सोच से शहरी विकास के इंदौर मॉडल को भोपाल, ग्वालियर,जबलपुर,सागर जैसे शहरों में उतारेंगे। भोपाल का बरसों से रूका मास्टर प्लान अब जरूर जमीन पर उतरेगा। इस मास्टर प्लान के अभाव में राजधानी भोपाल बेतरतीब विकास की कहानी में तब्दील हो चुका है। सिंहस्थ के फेर में उज्जैन तो विकसित हो गया लेकिन बुंदेलखंड का संभागीय मुख्यालय सागर शहरी विकास के लिहाज से बदहाल बना हुआ है। शहरों के कायाकल्प की जिम्मेदारी कैलाश के कंधों पर डालने के साथ मोहन यादव ने प्रहलाद पटैल को गांवों की तस्वीर को संवारने की जवाबदारी सौंपी है। गांवों के विकास को लेकर प्रहलाद का अपना विजन है तो जबलपुर के अनुभवी नेता राकेश सिंह भी सूबे की सडकों को नए आयाम देने की कोशिश की है। भाजपा के जाट नेता राव उदयप्रताप सिंह को स्कूली शिक्षा का काम देकर महाकौशल, बुंदेलखंड और विंध्य में सरकारी स्कूलों की बदहाली को दूर करने का काम सौंपा है तो परिवहन विभाग की कमान देकर यादव ने सबसे ज्यादा चुनौती पूर्ण काम सौंपा है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ आए तुलसी सिलावट और प्रद्युम्न तोमर की जिम्मेदारी बहाल रखी है तो गोविंद राजपूत को खाद्य विभाग देकर उनके सम्मान को बरकरार रखा है। काबीना के अन्य मंत्रियों को भी मोहन यादव काबीना में विभागों के लिहाज से यथोचित सम्मान दिया है। फिर चाहे वह विश्वास सारंग हों. इंदर सिंह परमार हों, करण सिंह वर्मा हों या विजय शाह। मंत्रियों के विभागों के बाद यादव की असली चुनौती प्रशासनिक मोर्चे पर उन अफसरों को जमीन दिखाने की है तो विधानसभा चुनाव के दौरान अपना काम छोडकर राजनीतिक तराजू पर शिवराज और कमलनाथ को तौलते हुए वानरी कुलांचे भर रहे थे। नए लोकायुक्त का चयन भी उन्हें प्राथमिकता के आधार पर करना है और लोकसभा में भाजपा को मप्र की सभी 29 सीटों पर जिताने का लक्ष्य भी साधना है।

कांग्रेस प्राणप्रतिष्ठा में शामिल हो, हमें ठेस नहीं पहुंचेगी: लीग

नई दिल्ली , एजेंसी।

अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के शामिल होने पर अब मुस्लिम संगठन ने कहा है कि इसमें कोई गलत नहीं है। ज्ञात हो कार्यग्रम में पीएम मोदी मुख्य यजमान हैं। इसके लिए सोनिया गांधी, ममता बनर्जी समेत विपक्ष के नेताओं को भी न्योता भेजा गया है। हालांकि अबतक इन नेताओं ने स्पष्ट नहीं किया है कि वो इस समारोह में शामिल होंगे या नहीं। वहीं विपक्षी नेताओं के इस कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर मुस्लिमों के सुन्नी संगठन 'केरल जेम-इयातुल उलेमा' ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में चाहे कोई भी दल शामिल हो, मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचेगी। संगठन की ओर से ये प्रतिक्रिया तब आई है, जब उसे मुखपत्र के एक संपादकीय पर जमकर हंगामा हुआ था,इसमें 22 जनवरी को होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए फैसला नहीं लेने की वजह से कांग्रेस की आलोचना की गई थी।

सीएम यादव ने ओंकारेश्वर से भोपाल आकर सुनी मन की बात, कल से *मोमेंटम* पकड़ेगी मोहन सरकार

2024...मोदी ने बताया 108 का महात्म्य, मोमेंटम पर जोर

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान का अवलोकन किया। मुख्य सचिव वीरा राणा, राघवेन्द्र सिंह साथ थे। इनसेट पीएम के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण।

भोपाल/नई दिल्ली,दोपहर मेट्रो

कल से शुरू हो रहे नये साल के साथ ही मप्र की नयी मोहन यादव सरकार भी नये सिरे से कामकाज शुरू करने वाली है। मंत्रियों को विभाग का वितरण होने की वजह से अब ढाई तीन महीने से अटके प्रशासनिक कामकाज में गति आ जाएगी। यह गति अगले ढाई महीने कायम रहेगी। इसके बाद फिर लोकसभा चुनाव के चलते डेढ महीने का आचार संहिंता का दौर आ जाएगा। मुख्मयंत्री यादव आज पर्यटन स्थल हनुवंतिया में रात्रि विश्राम करेंगे, और नये साल का स्वागत करने के बाद कल खरगौन होते हुए भोपाल लौटेंगे। हालांकि वे कल ही रवाना हो गये थे,लेकिन आज सुबह भोपाल लौटे और पीएम की मन की बात सुनी। वहीं सभी मंत्री भी कल से विभागों की कमान औपचारिक रूप से संभाल लेंगे। इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चर्चित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिये देशवासियों को साल 2024 को लेकर शुभकामनाएं दी। मोदी ने कहा, 'हमारे यहां 108 अंक का महत्व, उसकी पवित्रता एक गहन अध्ययन का विषय है। माला में 108 मनके, 108 बार जप, 108 दिव्य क्षेत्र, मंदिरों में 108 सीढ़ियां, 108 घंटियां, 108 का ये अंक असीम आस्था ये जुड़ा हुआ है। इसलिए 'मन की बात' का 108 वां एपिसोड मेरे लिए और खास हो गया है।' उन्होंने कहा देश आत्मनिर्भरता की भावना से ओत-प्रोत है। 2024 में भी हमें इसी भावना और मोमेंटम को बनाए रखना है। भारत को लेकर दुनियाभर में आशा और उत्साह का माहौल है।

नाटू-नाटू का जिक्र आया मन की बात में: प्रधानमंत्री में खिलाड़ियों की उपलब्धियों से लेकर फिल्म के गीत 'नाटु-नाटु' को मिली अपार सफलता का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'जब नाटू-नाटू को ऑस्कर मिला तो पूरा देश खुशी से झूम उठा। द एलिफेंट व्हिस्परर्स को सम्मान की बात जब सुनी तो कौन खुश नहीं हुआ। कार्यक्रम के दौरान फिटनेस को लेकर सदगुरु जग्गी वासुदेव, अक्षय कुमार, विश्वनाथ आनंद सहित कई दिग्गज हस्तियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड 620 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 21 महीनों के उच्चतम स्तर पर जा पहुंचा है। ये 4.471 अरब डॉलर के उछाल के साथ 620.441 अरब डॉलर पर जा पहुंचा है। इसके पहले हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार 615.97 अरब डॉलर था। कैलेंडर वर्ष 2023 में आरबीआई ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में लगभग 58 अरब डॉलर जोड़े। आंकड़े के मुताबिक ये लगातार छठा हफ्ता है जब विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी देखने को मिली है। विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) में भी बड़ी उछाल आई है। 4.698 अरब डॉलर के उछाल के साथ एफसीए 549.747 अरब डॉलर रहा है। पिछले साल विदेशी मुद्रा भंडार कुल मिलाकर 71 अरब डॉलर घट गया था। वहीं, इस साल आरबीआई के गोल्ड रिजर्व में गिरावट आई है। 10.2 करोड़ डॉलर की कमी के साथ गोल्ड रिजर्व 474.74 अरब डॉलर पर आ गया है।

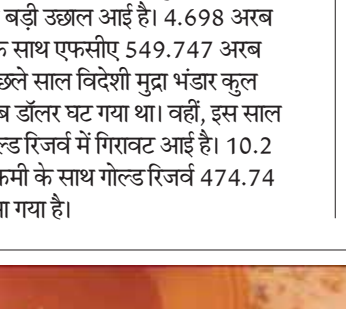

राऊत पर भड़की कांग्रेस, ठाकरे डैमेज कंट्रोल में जुटे

मुंबई , एजेंसी।

लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन इससे पहले अब महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी में तनाव उभरा है। दरअसल उद्धव गुट की शिवसेना के नेता संजय राउत के बयान से मामला गरमाया है। राउत ने जोर दिया कि उनकी पार्टी अगले साल लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 में से 23 सीट पर लड़ेगी। उन्होंने यह तक कह दिया कि सीट बंटवारे के संबंध में कांग्रेस के साथ उनकी बातचीत बिल्कुल शून्य से शुरू होगी, क्योंकि राज्य में कांग्रेस के पास कोई भी सीट नहीं है। बताया जाता है कि राउत के इस बयान से कांग्रेस सख्त नाराज है, जिसके बाद खुद उद्धव ठाकरे डैमेज कंट्रोल करने में जुट गए हैं। ठाकरे ने कहा है कि वह ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे एमवीए गठबंधन को नुकसान पहुंचे। उनके इस बयान को राउत के बयान के खंडन के रूप में देखा जा रहा है। ठाकरे ने कहा कि टिकट वितरण सुचारू रूप से होगा और उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पार्टी नेता राहुल गांधी से बात की है।

अनोखे साइबर ठगों को पुलिस ने दबोचा

महिलाओं को प्रेग्नेंट करने की नौकरी, *शिशु जन्म सेवा!*

पटना, एजेंसी।

पुलिस के हत्थे ऐसे साइबर अपराधी चढे हैं जो ठगी के लिये ऐसे जॉब का लालच दे रहे थे जो कई मामलों में गलत व अनैतिक था। इस हैरान कर देने वाला मामले का खुलासा नवादा पुलिस ने किया है। उसने ऐसे साइबर अपराधियों को पकड़ा है, जो लोगों को ये ऑफर देते थे कि उन्हें निसंतान महिलाओं को प्रेग्नेंट करना है और इसके बदले उन्हें लाखों रुपये दिए जाएंगे। इस सिंडिकेट का जाल पूरे देश में फैला है। पुलिस ने आठ आरोपियों को अरेस्ट किया है। खबरों के अनुसार मुफस्सिल थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान 8 साइबर ठगों को गिरफ्तार कर लिया व उनके पास से 9 मोबाइल और 1 प्रिंटर जब्त किया। पुलिस का कहना है कि आरोपी ऑल इंडिया प्रेग्नेंट जॉब यानि बेबी बर्थ सर्विस के नाम पर पैसों का लालच देते थे और लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे। पुलिस को इस मामले में गुप्त सूचना मिली थी. इसके बाद पुलिस ने छापा मार दिया। ऑल इंडिया प्रेग्नेंट जॉब नाम का यह ग्रुप लोगों को फंसाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहा था। ठगों ने पुरुषों को इस बारे में बताकर उन्हें फंसाया, इसके बाद रजिस्ट्रेशन के नाम पर पैसे वसूले।

ट्रेन की बोगी का रोड एक्सीडेंट !

भागलपुर, एजेंसी। आज सुबह बिहार के भागलपुर में एक बड़ा और अजीबोगरीब हादसा हुआ। इससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई। देखते ही देखते लोगों की भीड़ लग गई। दरअसल, ट्रेन की बोगी एक ट्रकट्राले पर लोड होकर स्टेशन की ओर जा रही थी। अचानक टर्न लेते वक्त ट्रक अनियंत्रित हो गया। चालक ने काफी कोशिश की लेकिन वह ट्रक को संभाल नहीं पाया। देखते ही देखते बोगी ट्रक की ट्रॉली से नीचे उतरने लगी। जब तक चालक ट्रक को संभाल पाता तब तक ट्रक लोहिया पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए आगे निकल गया। हालांकि, इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।

सड़ता हुआ भोपाल, सजता हुआ इंदौर...

विजय मनोहर तिवारी

इंदौर साफ-सफाई में देश का नंबर वन शहर बना ही हुआ है लेकिन भोपाल के क्या हाल हैं? अगर एक पंक्ति में दोनों शहरों का हाल बताना हो तो मैं कहूँगा-इंदौर सजता हुआ शहर है और भोपाल सड़ता हुआ शहर ! रोचक यह है कि एक ही दल द्वारा लंबे समय से शासित दो शहर हैं। दोनों का डीएनए बिल्कुल ही अलग है। एक समय इंदौर भी बुरी हालत में था, लेकिन उसने खुद को बदला। नेता भी वही थे, अफसर भी वही, कानून भी वही। मगर देखते ही देखते इंदौर की तस्वीर बदल गई और अब वह सही अर्थों में रहने लायक शहर बन गया। भोपाल प्राकृतिक रूप से रहने-बसने लायक शहर था, लेकिन बीते इतने ही वर्षों में वह लगातार दुर्गति की ओर धकेला गया। ऐसा लगता है कि देश ही नहीं, दुनिया भर के गुमटी-ठेले लगाने वाले भोपाल में हर दिन बढ़ते गए हैं। कोई सड़क, तिराहा और चौराहा नहीं बचा है, जहां अवैध कब्जे हर दिन न बढ़ रहे हों। बाढ़ आई हुई है। यह सब कौन करा रहा है, किसकी शह पर यह चल रहा है? वे जो भी हों, शहर का दम घोंट रहे हैं।

सुंदरलाल पटवा शासनकाल में बाबूलाल गौर ने अतिक्रमण के विरुद्ध अंतिम ऐतिहासिक सख्त कार्रवाई की थी। उन्हें उस दौर मंव बुलडोजर मंत्री कहा गया था। भोपाल के वर्तमान लीडर तो गिनीज बुक के लिए दावा कर सकते हैं-'देश में सबसे ज्यादा ठेले-गुमटी और झुग्गियों का शहर ! आबादी से भी अधिक गति से इनकी प्रगति हर सड़क-चौराहे पर है।' महाराणा प्रताप नगर दो जोन में हैं, जो एमपी नगर के नाम से प्रसिद्ध है। दिन में भी जाकर देखिए। उसका ज्यादातर हिस्सा मैकेनिक नगर में परिवर्तित हो चुका है। किसी मैकेनिक या पुरानी गाड़ियों की दस गुण दस फुट की एक गुमटी या दुकान खुलेगी। आसपास की पूरी सड़क कब्जे में नजर आएगी। कोई फुटपाथ नहीं बचे हैं, जहां कब्जे न हों। न्यू मार्केट का कबाड़ा हो चुका है। नए भोपाल के ये दो अतिव्यस्त कारोबारी इलाके हैं, जहाँ कामगारों की एक बड़ी संख्या मुस्लिम बहुल पुराने भोपाल से आती है। वे दिन भर काम करेंगे तो तीन बार की नमाजों के लिए पुराने भोपाल तो जाएँगे नहीं, उन्हें यहीं मस्जिदें चाहिए। प्रेस परिसर में नवभारत के निकट एक पेड़ के नीचे किसी अज्ञात महापुरुष की कब्र देखते ही देखते बहुमंजिला मस्जिद में विकसित हो गई। कब्र का हरे पेंट से पुता हुआ मलबा एक दिन देखा गया। लाउड स्पीकरों पर अजान ने अखबार के दफ्तरों में मीटिंगें मुश्किल कर दीं। एमपी नगर और न्यू मार्केट के बीच अरेरा हिल्स है, जहां ज्यादातर सरकारी दफ्तर हैं। जेल पहाड़ी पर एक बड़ी मस्जिद किसी खिलजी या तुगलग ने नहीं बनवाई है।

नए और पुराने भोपाल के बीच निरंकुश कारोबारी मनमानियों को लेकर अभी पूर्व महापौर आलोक शर्मा ने एक मुहिम चलाई- 'एक शहर में दो कानून नहीं चलेंगे।' मगर दो कानून चल कब से रहे हैं? मेयर रहते उन्होंने क्या कदम उठाए थे? डीआरएम ऑफिस के तिराहे पर रुककर कभी गौर से देखिए। गुमटियों की एक पूरी बस्ती बसी है। किसी डीआरएम ने कभी किसी मेयर को कोई पत्र लिखा या नहीं? या किसी मेयर या कमिश्नर ने इसकी वैधता को जाँचने के लिए स्वत-संज्ञान लेकर कोई कागजी कार्रवाई की या नहीं? अन्ना नगर की सैर मुख्य मार्ग से चलते हुए कीजिए। बिजली के तारों का जाल बिछा हुआ है। मजाल है कोई हटाने का सोच ले ! मुख्य मार्गों पर आ गई झुग्गी बस्तियों ने शटर लगाकर दुकानें चला दी हैं, लाखों के कारोबार धड़ल्ले से चल रहे हैं। पट्टे की सुविधा के इस दुरुपयोग पर कोई टैक्स नहीं है !

अब न्यू मार्केट से जहाँगीराबाद, सुलतानिया अस्पताल, भारत टॉकीज और रेलवे स्टेशन होकर भोपाल टॉकीज तक थोड़ा आराम से दोनों तरफ सड़कों का मुआयना करते हुए निकलिए। भोपाल की सड़ाँध का ठीक-ठीक अनुभव हो जाएगा। ऐसा भी नहीं है कि हमारे विजयी या पराजित जनप्रतिनिधियों के लिए यह ऐसा दुरूह विषय हो, जिसका उन्हें ज्ञान न हो। वे इस विषय के परम ज्ञानी है। त्रिकालदर्शी हैं। वे इस नर्क के परम पिता हैं। एक दूसरे से उनके समन्वय अत्यंत सुदृ? और समझदारी भरे हैं। एक माननीय विधायक तो अतिक्रमण हटने की हर मुहिम में कब्जा जमाने वालों की ओर से 56 इंच की छाती तानकर खड़े हो जाते थे। वे हारकर राजनीति के पोस्टर से गायब हो चुके हैं। एक और ताजा हारे विधायक झुग्गीवासियों के मसीहा कहलाते थे। दोनों अलग-अलग पार्टी के थे। पार्टियों के झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ चल रहे हैं। इनका काम क्या है? ये प्रकोष्ठ किस प्रवृत्ति के पोषक हैं? गुमटी-ठेले, झुग्गी-झोपड़ी ज्यादातर चोरी की बिजली पर चल और पल रहे हैं। इनके पराक्रम का विस्तार अवैध पार्किंगों तक अबाध है। कब्जों की यह निरंकुश प्रवृति केवल भोपाल का सिरदर्द नहीं है। लेकिन हाल के वर्षों में यूपी, असम और अभी उत्तराखंड में ऐसे हर मनमाने निर्माणकर्ताओं से हर जिलों में कागजात मांगे गए हैं। जो गैरकानूनी पाए गए, बिना देर किए और बिना भेदभाव के धराशायी कर दिए गए। मगर मध्यप्रदेश अपने प्रचार की पंक्ति के अनुरूप वाकई अजब और गजब है ! राजधानी भोपाल तो कब्जा जमाने वालों के लिए फलती-फूलती जन्नत बन चुकी है। अगर यह वोटों के लालच में पनपने दिया गया है तो बीस साल का न सही, ताजे चुनाव में बूथों की लिस्ट चैक कर लीजिए। हजार वोटों में से पचास वोट भी कोई नहीं देता और जहाँ मत बाहुल्य है, वहाँ मोदी की गारंटी पर भी उनका यकीन नहीं है ! अल्लाह का शुक्र है कि एक तरफ बीएचईएल नाम का एक प्रतिष्ठान और एयरपोर्ट की तरफ भारतीय सेना का प्रांगण भी भोपाल में है। उनके कई-कई सौ एक? के इलाके से गुजरते हुए लगता है कि कानून का असर यहाँ है, जो नेताओं के प्रभाव से अछूता है वर्ना दस-दस हजार झुग्गी, गुमटी और ठेलों लायक रिक्त भूमि वहाँ उपलब्ध ही थी !भोपाल को नर्क बनने से रोकना जरूरी है। गाँधी भवन और मानस भवन में नागरिक समूहों को इस विषय में मिल बैठकर विचार करना जरूरी है कि वे 2047 के भारत में 2047 का कैसा भोपाल देखना चाहते हैं? ऐसे लीडरों की जरूरत है जो अपने नफे-नुकसान से ऊपर शहरों के दूरगामी हित में सोचें,जनता परफार्मेंस चाहती है व उत्तरप्रदेश, असम और उत्तराखंड की तरह साफ विजन से कानून का निष्पक्ष पालन कराने वाले लीडर !

भोपाल रेल मंडल के सभी स्टेशनों पर यात्री हो रहे परेशान

रेल यात्रियों पर तिहरी मार- ट्रेनें फुल होने के साथ ही घंटों देरी से चल रही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रेल यात्रियों पर इस समय तिहरी मार पड़ रही है। एक तो ट्रेनें पहले से फुल हैं। वेटिंग के टिकट तक नहीं मिल रहे हैं, उपर से जनरल के डिब्बों में सामान्य टिकट पर यात्रा करने के लिए भी घंटों इंतजार करना पड़ रहा है क्योंकि ट्रेनें ही देरी से आ रही है। ऐसा कोहरे के कारण हो रहा है। परेशानियां यहीं खत्म नहीं हो रही, बल्कि रेलवे तमाम मुश्किलों के बावजूद ट्रेनों को निरस्त करने से बाज नहीं आ रहा है। एक के बाद एक ट्रेनें निरस्त की जा रही है। नए साल के शुरूआत में भी निरस्त की जाने वाली ट्रेनों की लंबी सूची है, जिसकी वजह से यात्री परेशान हो रहे हैं। असल में भोपाल मंडल से 24 घंटे में करीब 300 ट्रेनें गुजरती हैं। ये बीना, भोपाल, विदिशा, संत हिरदाराम नगर, निशातपुरा, इटारसी, रानी कमलापति, गुना आदि स्टेशनों से होकर गुजरती हैं। इनमें से करीब 10 प्रतिशत ट्रेनें अलग-अलग तारीखों में निरस्त है। इन्हें अलग-अलग मंडलों में निर्माण कार्यों व रख-रखाव कामों का हवाला देकर निरस्त किया है। बाकी की जो ट्रेनें चल रही हैं, उनमें से 90 फीसद फुल है। इनमें से 50 प्रतिशत में तो वेटिंग के टिकट भी नहीं मिल रहे हैं। इन्हीं में से उत्तर भारत की ओर से आने वाली ज्यादातर ट्रेनें घंटों देरी से चल रही है।

रेलवे का कोहरे में ट्रेन चलाने की तकनीक विकसित कर उपयोग करने का दावा खोखला

फॉग डिवास भी बेअसर

उत्तर भारत की ओर से आने वाली ट्रेनें कोहरे के कारण घंटों देरी से भोपाल व रानी कमलापति समेत मंडल के स्टेशनों पर पहुंच रही है। रेलवे ने पूर्व में दावा किया था कि ट्रेनों में एंटी फाग सेफ डिव्हासें लगा दी है। जिन ट्रेनों में ये डिवाइसें काम कर रही हैं, वे ट्रेनें भी देरी से ही पहुंच रही है।

ट्रेनें निरस्त करते, दूसरा विकल्प भी नहीं देते

रेलवे एक के बाद एक ट्रेनें तो निरस्त कर रहा है लेकिन इन ट्रेनों में सफर करने वाले रेल यात्रियों को दूसरा विकल्प भी नहीं दे रहा है। जिसकी वजह से यात्री परेशान हो रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यात्री दो-दो महीने पहले से टिकट बुक करवाकर रख रहे हैं, उसके बाद बुकिंग कराने पर कंफर्म टिकट नहीं मिलते, कई बार तो नो रूम वाला स्टेट्स आ जाता है और वेटिंग के टिकट भी नहीं मिलते। उधर रेलवे द्वारा ऐनवक्त पर ट्रेनों को निरस्त किए जाने के चलते यात्रियों के पास कोई विकल्प नहीं होता और उन्हें महंगा किराया अदा कर फ्लाइट पकड़नी पड़ती है या फिर यात्रा टालनी पड़ रही है।

विशेष ट्रेनें नहीं बढ़ाई: नए साल के जश्न के चलते रेल टिकटों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में 15 से 25 फीसद तक बढ़ी थी। जिसके बाद संभावना थी कि रेलवे विशेष ट्रेनें चलाकर मांग के अनुरूप टिकट की भरपाई करेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रेलवे ने केवल गिनी-चुनी विशेष ट्रेनें ही चलाई, इससे अधिक तो रख-रखाव कार्यों के लिए निरस्त कर दी गई। जिसकी वजह से रेल यात्रियों को टिकट की जो मांग थी वह पूरी नहीं हुई।

दिल्ली से ग्वालियर तक घना कोहरा

भोपाल दोपहर मेट्रो। दिल्ली की ओर से भोपाल आने वाली लगभग एक दर्जन ट्रेनें कोहरे के चलते रफ्तार नहीं पकड पा रही हैं और बेहद देरी से चल रही हैं। गत दिवस ही यह ट्रेनें 12 से 14 घंटे देरी से चलीं यह स्थिति दिल्ली से आगरा व ग्वालियर के बीच घना कोहरा पड़ने की वजह से बनी है।

इसके चलते 22692 राजधानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से सुबह चार बजे के बजाए पांच घंटे देरी से सुबह नौ बजे भोपाल स्टेशन पहुंची। इसी तरह नई दिल्ली से रानी कमलापति स्टेशन आने वाली 12002 शताब्दी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से पांच घंटे देरी से भोपाल स्टेशन पहुंची। वहीं यह लगातार पांच दिनों से तीन से चार घंटे देरी से आ रही है। इसके अलावा 11078 झेलम एक्सप्रेस ने भी कई घंटे से अधिक यात्रियों को इंतजार करवाया। 2156 भोपाल एक्सप्रेस 13 घंटे 40 मिनट देरी से भोपाल स्टेशन पहुंची।20806 एपी एक्सप्रेस 13 घंटे देरी से भोपाल स्टेशन पहुंची।12724 तेलांगना एक्सप्रेस 14 घंटे देरी से भोपाल स्टेशन पहुंची।12622 तमिलनाडु एक्सप्रेस 12 घंटे 30 मिनट देरी से भोपाल पहुंची।

राजधानी में छाया कोहरा

संतनगर में 22 जनवरी को निकलेगी श्रीरामजी की भव्य शोभा

श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा शोभा यात्रा समिति की बैठक संपन्न

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लगभग 500 वर्षों के संघर्ष और लाखों रामभक्तों के बलिदानों के पश्चात सुप्रीम कोर्ट द्वारा हिंदुओं के पक्ष में निर्णय देकर भगवान श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ। यह मंदिर लगभग बन चुका है और 22 जनवरी 2024 को रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूर्वक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संत महात्माओं, उद्योगपतियों एवं विभिन्न क्षेत्रों की महान हस्तियां की उपस्थिति में होगा।

इस अवसर पर संत हिरदाराम राम की विभिन्न संस्थाओं द्वारा एक बहुत भव्य और शोभायात्रा 22 जनवरी को ही संत नगर के एक छोर से दूसरे छोर तक निकाली जाएगी, पूरे संतनगर को केसरिया झंडियों से सजाया जाएगाए

मुख्य मार्ग में दोनों और रोशनी की जाएगी, प्रत्येक दुकान पर दिए जलाए जाएंगेए हजारों की संख्या में कुटिया पर दिये जलाए जाएंगेए शोभायात्रा में बीच.बीच में पटाखे जलाए जाएंगे। इस संबंध में आज संत नगर की विभिन्न संस्थाओं के प्रमुखों की बैठक संस्कार स्कूल में हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि भगवान श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा शोभायात्रा के अवसर पर एक आयोजिन समिति का गठन किया जाए जो स्थानीय सभी संस्थाओं के सहयोग से सभी कार्यक्रम किए जाएंगे।

बैठक में पूज्य पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के संरक्षक वासुदेव वाधवानी, सचिव सुरेश जसवानी, अध्यक्ष नवयुवक सभा के अध्यक्ष विष्णु गेहाणी, जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामानी, हेमू कालानी एजुकेशन सोसाइटी के उपाध्यक्ष ए सी साधवानी, महानगर बैंक के प्रमुख सुशील वासवानी, संत हिरदाराम कॉलेज के प्रमुख हीरो ज्ञानचंदानीए संस्कार के सचिव बसंत चेलानी, सिंधी काउंसिल आफ इंडिया के राजेश बेलानी, बैंकर क्लब के अध्यक्ष गुलाब जेठानी, सराफा मार्केट के विनय दादलानी, हैप्पी क्लब के भारत धनवानी, मनोज जनियानी नगर निगम कौंसिल के सदस्य राजेश हिंगोरानी विभिन्न संस्थाओं के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर सुशील वासवानी ने अपनी कार सेवा के संस्मरण सुनाए। पंडित जयकुमार शर्मा एवं पंडित मुकेश महाराज ने आश्वासन दिया कि वे पूरा सहयोग देंगे और बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे कार्यक्रम में भाग लेंगे।

मेट्रो एंकर

विधायक, कलेक्टर, निगम कमिश्नर को रहवासियों ने लिखी चिट्ठी

तीसरी रेल लाइन के काम चलते बदहाल हुई एप्रोच रोड

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

तीसरी रेल लाइन बिछाने के काम में लगे भारी वाहनों ने संतनगर के कई इलाकों को मेन रोड से जोड़ने वाली सड़क को पैदल चलने लायक भी नहीं छोड़ा है। कृष्णा प्लॉजा व आसपास रहने वाली आबादी परेशानी का सामना कर रही है। विधायक, कलेक्टर और डीआरएम को समस्या से अवगत कराते हुए सड़क बनाने की मांग की है, मांग पूरी न होने पर चक्का जाम की चेतावनी दी है। बता दे संत हिरदाराम नगर से तीसरी रेल लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। निर्माण में लगे डंपरों के कारण एप्रोच रोड धंस गई है। पानी की पइार्प लाइन क्षतिग्रस्त होने से कीचड़ हो गया है। वाहनों की आवाजाही तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल भरा हो रहा है। जिस सड़क से डंपर गुजर रहे हैं, वह मुख्य मार्ग से कृष्णा प्लाजा रहवासी परिसर, सैनिक कॉलोनी, टी वार्ड, बी वार्ड और संत हिरदाराम जी की कुटिया को आपस में जोड़ती है। वाहनों की आवाजाही से जगह-जगह सड़क धंस गई है, जिससे बड़े गड्ढे हो गए हैं। साथ ही सड़क पर पानी सप्लाई लाईन भी कई बार टूट चुकी है, जिससे सड़क पर कीचड़ हो गया है।

निगम बात करे रेलवे से

रहवासियों का कहना है आवाजाही के साथ पानी सप्लाई पर भी असर हुआ है। सीवेज लाइन भी टूटी है। रेलवे को निर्माण एजेंसी से स?क की पहले मरम्मत और बाद में पूरी सड़क बनाने के लिए कहना चाहिए। ऐसा लग रहा है कि समस्या को नजरअंदाज किया जा रहा है। नगर निगम की सड़क रेलवे के काम के चलते खराब हुई है। नगर निगम को रेलवे से बात करना चाहिए।

आंदोलन करेंगे, दी धमकी

रहवासियों ने समस्या को लेकर विधायक रामेश्वर शर्मा, कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर को पत्र लिखा है। लोगों का कहना है समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं रेल अधिकारियों का कहना है कि रहवासियों की परेशानी को ध्यान में रखते हुए कंस्ट्रक्शन कंपनी से सड़क व्यवस्थित कराएंगे।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा के कथित पेपर वायरल होने का मामला

पेपर वायरल होने के मामलों में स्कूल शिक्षा विभाग नहीं कर पा रहा कार्यवाही

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पांचवीं से आठवीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षा गुरुवार को समाप्त हो गई है, लेकिन स्कूल शिक्षा विभाग वायरल हुए पेपरों को लेकर कोई कार्यवाही नहीं कर सका है। पांचवीं से बारहवीं तक पेपर आउट करने वाले टेलीग्राम पर 52 चैनल बताए जा रहे हैं। लेकिन विभाग की तरफ से अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इस संबंध में विभाग के अधिकारी भी कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। सिर्फ जल्द ही आदेश जारी करने की बात कह रहे है। उल्लेखनीय है कि अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लगभग सभी कथित पेपर सोशल मीडिया पर एक दिन पहले ही आउट हो गए थे। हाल ही में लोक शिक्षण संचालनालय की समाप्त हुई नवमीं से बारहवीं तक अर्द्धवार्षिक परीक्षा के पेपर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे।

बोर्ड के मामले में भी नतीजा नहीं निकला

दूसरी तरफ लगभग एक महीने बाद दसवीं-बारहवीं की बोर्ड परीक्षा शुरू हो जाएगी। बोर्ड परीक्षा के इस साल मार्च में पेपर वायरल होने के बाद पुलिस कार्रवाई की गई थी, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। वहीं, मार्च में पेपर वायरल होने के बाद माशिमं की कार्यपालिका समिति की बैठक में इसे रोकने के लिए कई सुझाव दिए गए, लेकिन इन पर आठ महीने बाद भी अमल नहीं हो सका है।

ढाई महीने से कायम प्रशासनिक सन्नाटा टूटेगा

महकमे बंटे, असमंजस के बादल छंटे, अब दौड़ेंगी अटकी हुई फाइलें

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बीते ढाई महीने से विधानसभा चुनाव की आचार संहिता,चुनाव और फिर मंत्रिमंडल विस्तार में देरी के चलते कई बड़े सरकारी काम रुके हुए थे, अब विभाग वितरण के बाद इन्हें गति मिलने के आसार हैं। दरअसल अब मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भी मंत्रियों को विभाग आवंटित नहीं होने के कारण नहीं हो पा रहे थे। माना जाता है कि सोमवार से सरकार अपनी पूरी रफ्तार में का करने लगेगी। मोहन कैबिनेट की अभी तक दो बैठकें हुई हैं। इनमें एक परिचयात्मक थी पहली बैठक में जो निर्णय हुए वह मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले थे। अब मंत्रियों को विभाग आवंटित होने के बाद विभागों के बड़े कामों में गति आएगी।

दरअसल, अभी तक आलम यह था कि सामान्य विभगीय कामकाज के अलावा और कोई काम नहीं हो पा रहा था। अब सोमवार से दफ्तर शुरू होने के साथ ही मंत्री भी विभागों की कमान संभाल लेंगे।बताया जाता है कि अब तक मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान के नए प्रकरण स्वीकृत नहीं हो रहे थे और न ही पहले से स्वीकृत मामलों में हितग्राहियों को राशि मिल पा रही थी। अब मुख्यमंत्री ने स्वेच्छानुदान शुरू करने के निर्देश दे दिए हैं। विभागों में बजट अनुमान का काम भी नहीं हो पा रहा था, जिसमें अब तेजी आएगी। इसके अतिरिक्त नियुक्तियों के लिए विज्ञापन जारी नहीं हो पा रहे थे।इसके अलावा पुलिस में उपनिरीक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हो पा रही थी। पांच सौ उप निरीक्षकों की भर्ती होनी है। पुलिस मुख्यालय इसका प्रस्ताव भी कर्मचारी चयन मंडल को भेज चुका है, पर आचार संहिता के चलते विज्ञापन जारी नहीं हो पाया था। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के बड़े नीतिगत निर्णय भी अटके हुए हैं।

माना जाता है कि मंत्रियों को विभाग आवंटन के बाद मंत्रियों को सबसे ज्यादा ध्यान संकल्प पत्र की घोषणाओं को पूरा करने को लेकर रहेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव सभी विभागों को इसके लिए रोडमैप बनाने के निर्देश दे चुके हैं। कुछ विभागों ने इसे तैयार भी कर लिया है। हालांकि मार्च के दूसरे पखवाड़े में लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने की संभावना है। ऐसे में सरकार संकल्प पत्र के बड़े वादे इस अवधि में पूरा करने का भरपूर प्रयास करेगी।

विधायकों को प्रबोधन के लिए आएंगे बिरला

भोपाल। मप्र विधानसभा के सदस्यों के प्रबोधन कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला आएंगे। प्रदेश की 16वीं विधानसभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम नौ एवं 10 जनवरी को विधानसभा भवन के मानसरोवर सभागार में आयोजित किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने अपने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से भेंट कर उन्हें प्रबोधन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया था। स्पीकर बिरला ने यह आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। बिरला नौ जनवरी को प्रबोधन कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विधानसभा सदस्यों को अपना मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। उद्घाटन सत्र को प्रातः 11 बजे मानसरोवर सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में बिरला के अलावा विस अध्यक्ष तोमर, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी अपने विचार रखेंगे। दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम के तकनीकी सत्रों में विधानसभा सदस्यों को संसदीय नियमों, परंपराओं, सदन के सत्र संचालन की गतिविधियों एवं अन्य जानकारी के बारे में बताया जाएगा।

कांग्रेस ने पूछा-चुनाव क्यों स्थगित हुए

जबलपुर, अशोकनगर, खंडवा व सीहोर के जिला पंचायत अध्यक्षों के 30 दिसंबर को होने थे चुनाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस ने राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अपने पूर्व घोषित चार जिलों जबलपुर, अशोक नगर, खंडवा और सीहोर के जिला पंचायत अध्यक्षों के कल 30 दिसंबर को होने वाले चुनाव को मतदान के 20 घंटे पूर्व अपरिहार्य कारणों से स्थगित किए जाने के निर्णय को भाजपा की संभावित हार और सरकार के दबाव में लिया गया असंवैधानिक निर्णय बताया है। मीडिया प्रमुख केके मिश्रा ने कहा है कि आयोग ने ऐसा कर आयोग ने अपनी निष्पक्षता और संवैधानिक मर्यादाओं पर स्वतरू ही कलंक लगा लिया है। आयोग का यह कृत्य यह पंचायत अधिनियम के मखौल के साथ लोकतंत्र की सरेराह हत्या के समकक्ष है। मिश्रा ने आयोग की मंशा पर सवालिया निशान लगाते हुए जानना चाहा है कि यदि उसकी मंशा पारदर्शी है तो उसे इन चुनावों को टालने का वैधानिक और उसकी स्वीकार्यता का कारण स्पष्ट कर 'अपरिहार्य' कारणों की परिभाषा को सार्वजनिक करना चाहिए?

बीकॉम-बीएससी ऑनर्स के परीक्षा फॉर्म 5 जनवरी तक होंगे जमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बीयू के बीकॉम एवं बीएससी ऑनर्स प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 5 जनवरी है। लेट फीस के छात्र विद्यार्थी 9 जनवरी तक परीक्षा फॉर्म जमा कर सकेंगे। नियमित एवं एटीकेटी के विद्यार्थी शामिल हैं। बीयू द्वारा परीक्षा की तारीख जल्द जारी की जाएगी।

इग्नू में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन का आज आखिरी दिन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इग्नू के कोर्स में प्रवेश लेने के लिए एंट्रेंस टेस्ट सात जनवरी को आयोजित किया जाएगा। एंट्रेंस टेस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन होंगे। रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। इसके तहत बैचलर ऑफ एजुकेशन, बीएससी नर्सिंग और पीएचडी शामिल हैं। बीएड और बीएससी नर्सिंग कोर्स जनवरी से शुरू होंगे, जबकि पीएचडी जुलाई से शुरू होगी।

योजनाओं के लिए समग्र पोर्टल पर अब आधार ई-केवायसी जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की योजना में संचालित सभी योजनाओं में समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी अनिवार्य कर दिया गया है। अब किसी भी हितग्राही को विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए समग्र पोर्टल पर स्वयं का आधार ई-केवायसी करना हो समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी के बाद ही विभागीय पोर्टल पर आवेदन दर्ज हो सकेगा। जिन योजनाओं में

ऑनलाइन प्रणाली नहीं है, उनमें आवेदन को स्वीकृत करने से पहले संबंधित स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा समग्र पोर्टल पर आधार ई-केवायसी की पुष्टि की जाएगी। पुष्टि के बाद ही नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की जायेगी। विभाग की सभी योजनाओं में आधार ई-केवायसी अनिवार्य करने, बैंक खाता आधार लिंक और डीबीटी सक्रिय कराने के निर्देश दिए हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा समग्र पोर्टल पर नागरिकों की आधार ई-केवायसी की कार्यवाही की जा रही है। विभाग द्वारा संचालित सभी पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का भी आधार ई-केवायसी सुनिश्चित करें।

फार्मेसी कॉलेजों की काउंसलिंग में स्टूडेंट्स ने नहीं दिखाई खास दिलचस्पी

सिर्फ 1500 प्रवेश, खाली रह गई 90 फीसदी सीटें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के फार्मेसी कॉलेजों में करीब 90 फीसदी सीटें अभी भी खाली रह गई हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग (डीटीई) द्वारा नए और पुराने फार्मेसी कॉलेजों की सीटों पर प्रवेश के लिए चलाई काउंसलिंग प्रक्रिया में मात्र 1500 प्रवेश हुए हैं। यह काउंसलिंग कॉलेजों की करीब खाली 14,142 सीटों के लिए कराई गई थी।

दरअसल, फामेर्सी कॉलेजों में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया मंगलवार को शुरू हुई थी। इसका शनिवार को आखिरी दिन था। इन पांच दिनों की काउंसलिंग में स्टूडेंट्स ने कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है। पांच दिनों में रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया साथ चलती रही, जबकि 28

दिसंबर से प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसमें करीब 1800 स्टूडेंट्स ने अपने पंजीयन कराए थे। शनिवार को कॉलेजों में अंतिम समय रात 11:45 बजे तक एडमिशन की प्रक्रिया चलती रही। जबकि फॉमेर्सी कॉलेजों में एडमिशन के लिए छात्र शनिवार को रात्रि 11:30 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराते रहे। वहीं रजिस्टर्ड विद्यार्थी रात 11:45 बजे तक ऑनलाइन फीस भरकर एडमिशन लेते रहे।

यह है कॉलेजों की स्थिति

प्रदेश में फार्मेसी के 194 कॉलेज संचालित हो रहे हैं। 50 नए कॉलेजों को मान्यता मिलने के बाद इनकी संख्या बढ़कर 244 हो गई है। पिछले काउंसलिंग के बाद फामेर्सी की 6,142 सीटें खाली थीं। नए 50 कॉलेजों की 8 हजार सीटें बढ़ने से फामेर्सी की 14,142 सीटों पर एडमिशन हो गई थी। अब 15 सौ एडमिशन होने के बाद खाली सीटों की संख्या करीब 12,142 रह गई है।

मेट्रो एंकर — 25 साल के अनुभव हुए ताजा

एलुमनी मीट: रंगमंच की यादें ताजा करने जुटे सरकारी अफसर !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश सिविल सेवा खेल मंडल के अनेक पूर्व सदस्यों ने गत 25 वर्ष के अनुभव साझा करने के लिए नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक आत्मीय मुलाकात में संस्मरण साझा किए। इस दौरान यह बात सामने आई कि आल इंडिया सिविल सेवा शॉर्ट प्ले स्पर्धा में वर्ष 1998 में अगरतला (त्रिपुरा) वर्ष 2001 में भोपाल और वर्ष 2003 में पटना (बिहार) में मध्य प्रदेश के कलाकारों ने छह पुरस्कार प्राप्त कर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया। जो 25 आर्टिस्ट एकत्र हुए उनमें चार आईएएस अफसर भी शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि सरकारी विभागों के ऐसे अधिकारी कर्मचारी जो खेलों के साथ ही नाटक और संगीत में रुचि रखते हैं,उनको प्रतिभा प्रदर्शन का मंच देने के लिए मध्य प्रदेश सिविल सेवा खेल मंडल कई वर्ष से कार्य कर रहा है। प्रदेश ने कई अवसरों पर नाटकों में अभिनय मंच सज्जा, प्रकाश संयोजन और संगीत

के अवार्ड जीते हैं। कलाकारों की महफिल ऐसे ही किस्सों से भरी थी। भोपाल के कमिश्नर रहे कवींद्र कियावत ने बताया कि वे एक्सीडेंटल ड्रामा आर्टिस्ट बने और एन वक्त पर अगरतला जाने वाली टीम में उन्हें भूमिका मिली। जयश्री कियावत एक मुस्लिम महिला के किरदार में बुर्का पहनकर नाटक में आई थीं। संगीत साधक उल्हास तैलंग ने भिखारी का रोल किया था। आईएएस रहीं रेनू तिवारी ने एक विक्षिप्त स्त्री का किरदार निभाया था जो बहुत चुनौती पूर्ण था। जब ऐसा शक हुआ कि पटना स्पर्धा में निर्णायक घपला कर सकते हैं तब मध्य प्रदेश के कलाकारों ने एक बुद्धिमानी की। वे मार्केट गए करीब दस हजार रुपए अपनी जेब से खर्च कर महंगे लाइट लैंप खरीदकर बड़े बंगलों की विद्युत सज्जा की तरह ऐसा मंच सजाया कि मंच सज्जा का अवार्ड आयोजकों को देना पड़ा।

रंगमंच के सितारे सिविल सेवक

रंगमंच क्षेत्र में मध्य प्रदेश को यश दिलवाने में जिन सिविल सेवकों की भूमिका रही उनमें उल्लास तेलंग, कविंद्र कियावत, रेनू तिवारी, जयश्री कियावत, पीएल नाथानी ,प्रदीप जोशी, शिवांगी पवार रश्मि मेहता , लवीना स्टेनली,किरण रैकवार,अर्पणा आचार्य, लेखिका विद्या श्रीवास्तव, सुधीर जोशी,सुरेश पारवानी,अरविंद शर्मा ,ज्योति केने,दिनेश नायर,गिरीश थते,सुमित द्विवेदी और निर्देशक स्मित मेहता भी इस एलुमिनी मीट में उपस्थित हुए।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

04 भोपाल, रविवार, 31 दिसंबर 2023 epaper.dopaharmetro.com

जीवन में लय लौटी, सुर-ताल की शक्ति ने महामारी को किया अशक्त

■ उस्ताद अकरम खान

कोरोना के बाद मन में घर कर गई एक प्रकार की दहशत से उबरने की ताकत हमें संगीत ने ही दी है। दूसरे शब्दों में कहें तो इस महामारी के बाद संगीत की शक्ति एक बार फिर सामने आई। पहले वर्चुअली और फिर फिजिकली आयोजन होने शुरू हुए। 2023 में संगीत के कार्यक्रम तकरीबन पहले की तरह होने लगे। संगीत के रसिकों, प्रेमियों और जानकारों ने नए-नए प्रयोग किए। 2023 में एक नया सिलसिला भी शुरू हुआ। संगीत के जो बड़े-बड़े फनकार रहे हैं, उनकी जन्म सदी पर देश भर में संगीत समारोह आयोजित किए गए। मशहूर तबला वादक पंडित किशन महाराज जी और प्रख्यात शास्त्रीय गायक पंडित कुमार गंधर्व साहब की जन्म शताब्दियों पर पूरे देश में अनेक स्थानों पर संगीत उत्सव आयोजित हुए। 'सप्तक फेस्टिवल' में पूरा एक दिन उस्ताद अमीर खान साहब को समर्पित किया गया है। इससे पहले किसी कलाकार की स्मृति में इतने व्यापक रूप में संगीत के कार्यक्रम आयोजित नहीं हुए। यह सिलसिला 2024 में भी यों ही चलते रहना चाहिए। यह हम कलाकारों का भी कर्तव्य है और रसिकों का भी।

जहां तक परिवर्तन का सवाल है तो हर 25, 30, 40 साल में बदलाव आता ही है। हमारे जमाने में ठुमरी, दादरा का बहुत जोर था, अब लोग हर तरह का संगीत सुनना चाहते हैं। विदेश के लोग भारतीय शास्त्रीय संगीत सुनना पसंद कर रहे हैं, हमारे यहां फ्यूजन सुना जा रहा है। यह स्वाभाविक है। रिद्म यानी लय तो यूनिवर्सल है। वह पश्चिम में भी उतने ही बीट्स की है और हिंदुस्तानी संगीत में भी उतने ही बीट्स की। बस, भाषा का फर्क है, अभिव्यक्ति वही है। मैं जिस तबले को जीता हूं, उसमें भी सभी घरानों के कलाकार नित नए प्रयोग कर रहे हैं। लग्गियां हमेशा ठुमरी, दादरा के साथ बजती हैं, लेकिन मेरे पिता जी उस्ताद हशमत अली खान साहब ने एक नया प्रयोग करते हुए उनको सोलो वादन में बजाया है। सोलो में कायदे के साथ लग्गियां बजाने का यह अनूठा प्रयोग उन्होंने इसलिए किया, ताकि लग्गियां भी तबले के रिकॉर्ड में रहें और श्रोता भी जुड़े रहें। उस्ताद जाकिर हुसैन ने तबले में साउंड को लेकर बहुत प्रयोग किए हैं, लेकिन यह भी सच है कि आज से 50 साल पहले पंडित कंठे महाराजजी, मेरे दादा मुहम्मद शफी खान साहब या नत्थू खान साहब माइक्रोफोन के बिना तबला वादन करते थे। अगर उनके जमाने में इतनी समृद्ध तकनीक होती तो शायद वे भी कुछ और नए प्रयोग कर चुके होते।

हमारे बुजुर्गों ने तबले को हर्ष-उल्लास का वाद्य माना है। आप होली के गीत गाएंगे, तो उसमें जो ठेका बजता है, उससे लोग नाचने लगते हैं। अगर ठुमरी, कजरी, चैती में संगत करेंगे, तो तबला उनका माहौल तैयार कर देगा। फिल्मी गाने के साथ तबला बजाएंगे, तो वह वैसा वातावरण रच देगा। यह सदाबहार साज है। ताल भले न समझ आए, लेकिन श्रोताओं के हाथ-पैर थिरकने लगते हैं। पंडित बिरजू महाराज का शोध है कि हर चीज में लय है। तो हमारे यहां रिद्म तो जन्मजात है। इसलिए अगर हम नए साल में संगीत से जुड़े रहेंगे, सुर-लय-ताल से जुड़े रहेंगे, तो हमारी बहुत-सी दिक्कतें, तनाव दूर हो जाएंगे। हम दुनियावी परेशानियों से मुक्त हो जाएंगे। इसलिए संगीत से जुड़े रहें, अच्छा संगीत सुनें और अच्छा सोचें। **साभार**

> एक अजीब-सा डर था, जिसने हमें वर्चुअल कर दिया था। वह गुजरा और जीवन की लय को संगीत ने फिर से थाम लिया। हमारे यहां रिदम तो जन्मजात है। इसलिए अगर हम नए साल में संगीत से जुड़े रहेंगे, सुर-लय-ताल से जुड़े रहेंगे तो हमारी बहुत-सी दिक्कतें, तनाव दूर हो जाएंगे।

बहुत उतार-चढ़ाव से भरा है नये साल का इतिहास

■ रमेश शर्मा

एक जनवरी से नया साल आरंभ हो रहा है । अब पूरी दुनियाँ वर्ष 2024 में प्रवेश करेगी । समय नापने की यह पद्धति ग्रेगोरियन कैलेण्डर के अनुसार है । पर यह ग्रेगोरियन कैलेण्डर पद्धति 2023 वर्ष पुरानी नहीं है । यह केवल 442 वर्ष पुरानी है और भारत में इसे लागू हुये केवल 271 वर्ष ही हुये हैं। दुनियाँ में काल गणना का इतिहास बहुत उतार-चढ़ाव से भरा है । संसार के विभिन्न देशों में पिछले सात हजार वर्ष में बीस से अधिक कैलेण्डरों का इतिहास उपलब्ध है । जिस ग्रेगेरियन कैलेण्डर के अनुसार आज की दुनियाँ चल रही है, यह 1582 ईस्वी सन् में आरंभ हुआ था । और भारत में अंग्रेजों ने 1753 में लागू किया था । तब इसका उपयोग केवल यूरोपीय समुदाय ही करता था । शेष भारत में कहीं विक्रम संवत और कहीं हिजरी सन् प्रचलित था । अब अंग्रेजों द्वारा स्थापित इस कैलेण्डर से ही पूरे भारत की जीवनचर्या निर्धारित होती है । आज भारतीय भले अपना अतीत भूल गये पर यह गर्व की बात है कि यूरोप को काल गणना से परिचित कराने वाले भारतीय शोध कर्ता ही रहे हैं। यूरोप के प्राचीन इतिहास में वर्णन यह मिलता है कि दो सौ नावों से आर्यों का एक दल यूरोप गया था जिसने रोम की स्थापना की थी वे अपने साथ समय साधना पद्धति लेकर गये थे । दूसरा विवरण सुप्रसिद्ध यूनानी सम्राट सिकन्दर के समय का है । सिकन्दर आक्रमणकारी के रूप में भारत आया था । और जब लौटा तो वह भारत से विभिन्न विषय के विद्वानों का दल साथ लेकर गया था । उनमें पंचांग पद्धति विशेषज्ञ भी थे । इन विशेषज्ञों ने यूरोप जाकर यूरोपीय काल गणना पद्धति में संशोधन किये और जूलियन कैलेण्डर आरंभ हुआ । जिसे कुछ संशोधन के साथ पोप ग्रेगरी अष्टम् ने यह वर्तमान कैलेण्डर आरंभ किया । जो उनके नाम से ग्रेगोरियन कैलेण्डर कहा जाता है । इसे गणना करके डेढ़ हजार वर्ष पूर्व ईसा मसीह की अनुमानित जन्मतिथि की गणना करके 1582 वर्ष पूर्व की तिथि 1 जनवरी से लागू किया गया था।

चूँकि इसे ईसा मसीह की अनुमानित जन्मतिथि से लागू किया किया गया था इसलिए गणना पद्धति को÷ईस्वी सन्÷ और लागू करने वाले पोप ग्रेगरी के नाम पर कैलेण्डर का नाम गेग्रेरियन दिया गया । इस कैलेण्डर को वैश्विक बनाने का श्रेय अंग्रेजों को है । वे जिस भी देश में व्यापार करने गये वे वहाँ के शासक बने और शासन संभालकर उन्होने अपनी परंपराएँ लागू कीं । जिसमें यह ग्रेगेरियन ईस्वी सन् कैलेण्डर पद्धति भी शामिल थी । अंग्रेज अपनी जड़ों और परंपराओं से इतने गहरे जुड़े रहे कि उन्होंने पूरी दुनियाँ को अपने परिवेश में कुछ इस प्रकार ढाला कि उनका शासन समाप्त हो जाने के बाद भी उनके द्वारा शासित अधिकांश देश अंग्रेजों के ग्रेगोरियन कैलेंडर से ही अपनी सरकार और समाज चला रहे हैं । हाँ कुछ देश अपने भीतर निजी काल गणना पद्धति का ही उपयोग करते हैं। पर संसार का मानसिक वातावरण कुछ ऐसा है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वे भी अंग्रेजी महीनों और तिथियों का ही सहारा लेते हैं ।

सबसे प्राचीन परंपरा भारत में

संसार के ज्ञात इतिहास में जितने भी सन् संवत् या न्यू ईयर परंपराएँ मिलतीं हैं उनमें सबसे प्राचीन परंपरा भारत में मिलती है । संसार की सबसे पुरानी काल गणना पद्धति भारतीय युगाब्ध संवत् माना जाता है जो लगभग 5126 वर्ष पुराना है । इसका संबंध महाभारत काल से है । यह संवत् युधिष्ठिर के राज्याभिषेक की तिथि से आरंभ हुआ था । इसका सत्यापन द्वारिका के किनारे समुद्र की पुरातत्व खुदाई में मिली विभिन्न सामग्री से होता है । अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने इस उपलब्ध सामग्री के समय लगभग पाँच हजार से पाँच हजार दो सौ वर्ष के बीच का माना गया है । संवत् आरंभ होने का दूसरा प्राचीन उल्लेख बेबीलोनिया से मिलता है । इस संवत् का इतिहास लगभग चार हजार वर्ष पुराना है । तब वहां नववर्ष का आरंभ बसंत ऋतु से होता था । यह तिथि लगभग एक मार्च के आसपास ठहरती है । ग्रेगोरियन कैलेण्डर लागू होने से पहले समूचे यूरोप में यही कैलेण्डर लागू था । इसलिये आज भी मार्च का महीना हिसाब-किताब का वर्षांत माना जाता है । जिन अंग्रेजों ने एक जनवरी से नववर्ष का आरंभ माना वे भी अपना हिसाब किताब मार्च माह से ही करते थे । तीसरा प्राचीन नववर्ष पारसी नौरोज है । इसका आरंभ लगभग तीन हजार वर्ष पहले हुआ था । पारसी नौरोज 19 अगस्त से आरंभ होता है । चौथा प्राचीन संवत् भारत का विक्रम संवत है जो महाराज विक्रमादित्य के राज्याभिषेक से आरंभ हुआ था । इसे 2080 वर्ष बीत गये । विक्रम संवत् के अतिरिक्त भारत में शक संवत् और वीर निर्वाण संवत् की भी मान्यता रही है । शक संवत् का संबंध भारत को शक आक्रमण से मुक्ति की स्मृति में आरंभ हुआ था तो वीर निर्वाण संवत् का संबंध भगवान महावीर स्वामी की निर्वाण तिथि से है । इसका आरंभ 7 अक्टूबर 528 ईसा पूर्व माना जाता है ।

कैलेण्डर के नाम और लागू होने का इतिहास

ग्रेगोरियन कैलेण्डर उपयोग किये गये महीनों और दिनों के नाम भी अंग्रेजों के अपने नहीं हैं । वे दुनियाँ की विभिन्न भाषाओं से लेकर रूपान्तरित किये गये है । सबसे पहले इसका नाम कैलेण्डर ही देखें। कैलेण्डर शब्द अंग्रेजी भाषा का नहीं है। लैटिन भाषा का है । लैटिन भाषा में कैलेण्ड शब्द का अर्थ हिसाब किताब होता है । उधर चीन में केलैण्ड का अर्थ चिल्लाना होता है । तब वहाँ ढोल बजाकर तिथि दिन और समय की सूचना दी जाती थी। इस तरह कैलेंडर शब्द से इस पद्धति का नाम कैलेण्डर पड़ा। इसे संसार में अलग-अलग देशों में अलग अलग तिथियों में लागू किया गया। यह ग्रेगोरियन कैलेंडर इटली, फ्रांस, स्पेन और पुर्तगाल ने सन् 1582 ईस्वी में, परशिया, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, हॉलैंड और फ्लैंडर्स ने 1583 ईस्वी में, पोलैंड ने 1586 ईस्वी में, हंगरी ने 1587 ईस्वी में, जर्मनी, नीदरलैंड, डेनमार्क ने 1700 ईस्वी में, ब्रिटेन और उनके द्वारा शासित लगभग सभी देशों में 1752 ईस्वी, जापान ने 1972 ईस्वी, चीन ने 1912 ईस्वी, बुल्गारिया ने 1915 ईस्वी, तुर्की और सोवियत रूस ने 1917 ईस्वी, युगोस्लाविया और रोमानिया ने 1919 ईस्वी में लागू हुआ ।

यूरोपीय कैलेण्डर का इतिहास

यूरोपियन कैलेण्डर का आरंभ रोम से हुआ था। इसे आरंभ करने वाले रोमन सम्राट जूलियन सीजर थे। इसलिये उसका पुराना जूलियन कैलेण्डर था। उन्होने वहां पूर्व से प्रचलित कैलेण्डर में कुछ परिवर्तन किये थे जो उनसे पूर्व राजा न्यूमा पोपेलियस ने आरंभ किया था। तब इसमें केवल दस माह और 354 दिन ही हुआ करते थे। कहते हैं शोध कर्ता तो बारह मास का ही कैलेण्डर तैयार करना चाहते थे पर राजा बारह माह का कैलेंडर बनाने तैयार न हुआ था। राजा की जिद के चलते बारह के बजाय दस माह का कैलेण्डर तैयार हुआ था। बादमें जूलियस सीजर ने उस कैलेण्डर में परिवर्तन करने के आदेश दिये और तब यह कैलेण्डर बारह महीने का तैयार हुआ। अब कुछ विद्वानों का मत है कि इसमें ईसा मसीह की जन्मतिथि में चार वर्ष का अंतर आ गया है। इसमें समय के साथ अनेक परिवर्तन हुए। जब यह कैलेण्डर आरंभ हुआ था तब इसमें लीप एयर या हर चौथे साल फरवरी 29 दिन का प्रावधान नहीं था। यह प्रावधान खगोल अनुसंधान के बाद अमेरिकी वैज्ञानिकों ने सूर्य और पृथ्वी परिक्रमा की गणना करके जोड़ा । जबकि भारत में पाँच हजार वर्ष पुरानी गणना भी बारह माह की थी। जो ऋतु परिवर्तन का अध्ययन करके निर्धारित किया गया था। भारत में इसे कैलेण्डर नहीं 'पंचांग' कहा जाता है। शब्द 'पंचांग' भी गहन अर्थ लिए हुए है । पंचांग अर्थात पाँच अंग। भारतीय पंचांग में कुल पाँच आधार होते हैं। ये तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण हैं । इन पाँच अंगों से ही भारतीय पंचांग में तिथि दिन की गणना होती है जबकि वर्ष और माह की जानकारी इन पांच अंगों से अलग होती है। जबकि ग्रेगोरियन कैलेण्डर में केवल दो जानकारी होती है । तारीख और दिन की। माह और वर्ष भी। इस प्रकार पाँच हजार वर्ष पुरानी भारतीय काल गणना पद्धति 'पंचांग' पश्चिम की आधुनिक कैलेण्डर पद्धति से अपेक्षाकृत अधिक उन्नत रही है।

2024 की नई चिंता

छह देशों में चुनाव होंगे, डीपफेक की बारिश होगी

■ माइकल वेड

डीपफेक 2024 में बड़ी समस्या बनने वाला है। दरअसल डीपफेक तैयार करने के लिए जिस तकनीक की जरूरत पड़ती है, वह आज न सिर्फ पहले की तुलना में आसानी से उपलब्ध है, बल्कि कम लागत या कीमत में भी उपलब्ध है। इसके लिए जेनरेटिव एआई या कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल किया जाता है। जेनरेटिव एआई के जरिये किसी भी शैली और किसी भी भाषा में ई-मेल लिखे जा सकते हैं। ऐसे में, इसकी कोई गारंटी नहीं कि सीएफओ की तरफ से आए ई-मेल वाकई उन्होंने ही लिखे हैं। ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि सिलिकॉन वैली के अनेक लोग बगैर विराम चिह्नों के पोस्ट लिख रहे हैं-यही एक तरीका है, जिससे पता चल सकता है कि इसमें एआई की मदद नहीं ली गई है।

लिखित सामग्री को जांचने का खतरा तो है ही, लेकिन 2024 में असली खतरा आवाज और वीडियो से होगा। इलेवनलैब्स जैसी वॉयस क्लोनिंग सर्विसेज इतनी पेशेवर हैं कि वे हू-ब-हू आवाजों की

क्लोनिंग कर लेती हैं। आवाज को जांचने की तकनीक जल्दी ही बेकाम की हो जाएगी। वॉयस मेल विश्वसनीय नहीं है। मैंने अपनी आवाज की क्लोनिंग करा ली है, लिहाजा जो भी पाठ मैं चुनूंगा, वह मेरी ही आवाज में बोलेगा। लेकिन इसका भी एक खतरा है-गलत हाथों में चले जाने पर वह आवाज मेरे स्वर में न जाने क्या-क्या बक डालेगी। इस लिहाज से ऑडियो पर तो ध्यान रखना ही होगा, लेकिन वीडियो ज्यादा महत्वपूर्ण साबित होने जा रहे हैं। वीडियो में दिख रहे व्यक्ति को उसकी ही आवाज में सुने जाने पर भ्रम पैदा होगा। जो उसने नहीं कहा, वीडियो में उसे भी कहते देखा जाएगा। जो उसने नहीं किया, वीडियो में वह करते भी उसे देखा जाएगा। ऐसे में, जाहिर है, पसोपेश, असमंजस और भ्रम की स्थिति पैदा होगी। इससे कॉरपोरेट जासूसी और भयादोहन को बल मिलेगा। वर्ष 2024 में दुनिया की आधी से अधिक आबादी चुनावों में हिस्सा लेगी। अमेरिका के अलावा भारत, इंडोनेशिया, मेक्सिको, रूस और ब्रिटेन सहित कई देशों में चुनाव होंगे।

मेरा मानना है कि इनमें से हर चुनाव में डीपफेक वीडियो बड़ी भूमिका निभाएंगे। मतदाताओं में व्याप्त भ्रम का असर चुनावी नतीजों पर भी पड़ सकता है। यूक्रेन और गाजा के मोर्चों पर डीपफेक वीडियोज पहले ही पहुंच चुके हैं, जिससे फैसले उन घटनाओं के आधार पर लिए जा रहे हैं, जो कभी घटी ही नहीं। चुनावी धोखाधड़ी, कॉरपोरेट ब्लैकमेलिंग, बाजारों को अपने हितों के अनुरूप चालित करने और डीपफेक के कारण साइबर सुरक्षा से जुड़े खतरे के मामले वर्ष 2024 में बढ़ेंगे। ऐसे में, यह चर्चा, चिंता और लड़ाई सतत बनी रहेगी कि कोई लिखित सामग्री, कोई तस्वीर, कोई ऑडियो क्लिप या कोई वीडियो असली है या फर्जी। **साभार**

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले छात्रों का हुआ संभाग में चयन

नर्मदापुरम। जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय भगतसिंह महाविद्यालय में किया गया। इस प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले नर्मदा कॉलेज के दो छात्र देवेन्द्र नर्रे और कमलेश उइके का चयन संभाग स्तर पर आयोजित होने वाली खो-खो प्रतियोगिता में हुआ है।यह जानकारी खेल विभाग के प्रभारी डॉ महेश मानकर ने दी। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों के निरंतर अभ्यास और मेहनत का परिणाम है।अब खिलाड़ी भोपाल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।इस अवसर पर प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने विद्यार्थियों का आगामी स्पर्धाओं के लिए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साह वर्धन किया और बधाई दी। प्रशिक्षक स्नेहा दुबे ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। महाविद्यालय परिवार की ओर से विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई।

आज रात से होगी वाहन चेकिंग, शराब पीकर वाहन चलाने पर होगी कार्रवाई

सिवनी मालवा। नर्मदा पुरम जिले में पुलिस द्वारा आज रात्रि 9ः00 बजे से विशेष सघन वाहन चेकिंग अभियान प्रारंभ किया जाएगा। जिसमें शहर के सभी मुख्य चौराहे एवं सड़कों पर शराब पीकर वाहन चालकों के विरुद्ध, तीन सवारी वाहन चालकों के विरुद्ध, रैश ड्राइविंग के विरुद्ध और सड़कों पर फूहड़पन करते हुए पाए जाने के विरुद्ध चैकिंग अभियान रहेगा। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा के नए नियमों के अंतर्गत कार्यवाही होगी जिसमें शराब के नशे में वाहन चलाने पर ब्रेथ एनालाइजर से चैकिंग की जायेगी एवं नशे में पाए जाने पर गाड़ी जप्त कर अगले दिन न्यायालय पेश की जाएगी ।

पचमढ़ी नवरंग: आर्मी बैंड की देशभक्ति पूर्ण प्रस्तुति ने मन मोहा

नर्मदापुरम। पर्यटक स्थल पचमढ़ी स्थित हाट बाजार में नवरंग समारोह के दूसरे दिन संध्या पर आर्मी बैंड द्वारा आकर्षक प्रस्तुति दी। आर्मी बैंड की रंगारंग देशभक्ति पूर्ण आकर्षक प्रस्तुति ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पर्यटकों,अतिथियों व श्रोताओं का मनमोह लिया। आर्मी बैंड की प्रस्तुति ने समां बांधा। यह प्रस्तुति कमांडेंट सेना शिक्षा कोर के बिग्रेडियर अमित चटर्जी के मार्गदर्शन में हुई। इस प्रस्तुति में सेना के प्रमुख वाद्य यंत्रों में जायलोफोन,सक्सोफोन, बांसुरी आदि ने समां बांध दिया। आर्मी बैंड का नेतृत्व मेजर डी प्रभाकरण,सूबेदार मेजर बालम सिंह रावत ने किया। संचालन हवलदार अमित कुमार ने किया। आर्मी बैंड द्वारा कदम कदम बढ़ाए जा, सारे जहां से अच्छा, तेरी मिट्टी, वंदे भारत समेत 11 गीतों पर प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर साडा अध्यक्ष कमल धूत, जिला पंचायत सीईओ एस एस रावत,पिपरिया एसडीएम संतोष तिवारी, पचमढी साडा सीईओ रवि प्रकाश नायक, मध्यप्रदेश टुरिज्म क्षेत्रीय प्रबंधक हृदयनाथ डंडोतिया सहित बढ़ी संख्या में पर्यटक उपस्थित रहें। हाट बाजार में हो रहे आर्मी बेंड की हर एक प्रस्तुति पर पर्यटकों ने खूब सराहा और जमकर तालियां बजाई।

घरों में अब मां की नहीं सिनेमा की चलने लगी: बाबा रामेदव

सिवनी मालवा। श्री संकटमोचन हनुमान मंदिर अमलाडा कला मे चल रही बाबा श्री रामदेव कथा अमृत के तृतीय दिवस की कथा को विस्तार देते पं.राकेश दीक्षित महाराज ने बताया की पहले लोग माँ के बताये हुए रास्ते पर चलते थे अब समय बदला तो लोग सिनेमा के हिसाब से अपना जीवन ढंग बदल कर चलते हैं महाराज अजमल जी को अपनी माँ के दिए गये अच्छे संस्कार ने एक प्रजा पालक राजा एवं भगवान द्वारिकाधीश के परम भक्त बनाया और रानी मैणादे ने भी अपने पति का भरपूर साथ दिया और वही आज सिनेमा के कारण अनेकानेक घरों में भारी विवाद है इसलिए पंडित दीक्षित ने कहा कि हम सिनेमा टीवी सीरियल के हिसाब से जीवन ना जिए बल्कि माँ के अच्छे संस्कार के हिसाब से जीवन जिए अपनी माँ की माने सिनेमा की नहीं।

आरटीओ और यातायात की संयुक्त टीमों ने की बेलगाम बसों पर प्रभावी कार्यवाही

69 चालानों से 88300 वसूले,3 बसों की फिटनेस निरस्त,1 बस जप्त

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में गुना जिले में हुए बस हादसे से एक्शन मोड पर आए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इन दिनों आरटीओ विभाग को बस की सगन जांच कर फिटनेस चेक करने के आदेश दिए हैं।इसी के चलते शनिवार को जिला कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशन पर आरटीओ श्रीमति निशा चौहान एवं यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा की संयुक्त जांच टीमों के साथ जिले की सिवनी मालवा तहसील एवं पिपरिया तहसील में बसों के कागजातो सहित आरटीओ द्वारा निर्धारित मानकों की जांच की गई। जिसमें आपातकालीन खिड़की पर सीट, मेडिकल बॉक्स,अग्निशमन यंत्र, टायरों की स्थिति,प्रेशर हॉर्न आदि सभी बिंदुओ पर सघनता से जांच करते हुए 3 बसों की स्थिति सही नही पाए जाने पर 1 बस स्थानीय तथा 2 बस का देवास तथा इंदौर आरटीओ को पत्र लिखकर फिटनेस निरस्त करवाया गया, इसके अलावा जिन बसों में आपातकालीन खिड़की पर सीट पाई गई उन सीटों को जप्त कर नजदीकी थाने में रखा गया, अन्य जांच

से 69 चालानों से 88300 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया।

आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया की आरटीओ तथा यातायात की संयुक्त कार्यवाही आगामी दिनों में और अधिक सख्त रूप से निरंतर की जाएगी, जांच दल में आरटीओ तथा यातायात विभाग दल उपस्थित था।

आरटीओ और यातायात पुलिस ने की बसों पर प्रभावी कार्यवाही

नर्मदापुरम। शनिवार को आरटीओ निशा चौहान एवं यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा संयुक्त जांच टीमों के साथ नर्मदापुरम जिले की सिवनी मालवा तहसील एवं पिपरिया तहसील में बसों के कागजातों सहित आरटीओ द्वारा निर्धारित मानकों की जांच की गई। जिसमें आपातकालीन खिड़की पर सीट, मेडिकल बॉक्स,अग्निशमन यंत्र, टायरों की स्थिति,प्रेशर हॉर्न आदि सभी बिंदुओ सघनता से जांच करते हुए 3 बसों की स्थिति सही नही पाए जाने पर1 बस स्थानीय तथा 2 बस का देवास तथा इंदौर आरटीओ को पत्र लिखकर फिटनेस निरस्त करवाया गया, इसके अलावा जिन बसों में आपातकालीन खिड़की पर सीट पाई गई। उन सीटों को जप्त नजदीकी थाने में रखा गया, अन्य जांच से 69 चालानों से 88300 रुपए राजस्व प्राप्त किया गया, आरटीओ तथा यातायात की संयुक्त कार्यवाही आगामी दिनों में और अधिक सख्त रूप से निरंतर की जाएगी, जांच दल में आरटीओ तथा यातायात विभाग की संपूर्ण जांच दल शामिल रहा।

नगर में घूम रहे ओवरलोड ट्रको पर आरटीओ विभाग क्यों नहीं करता कार्यवाही ?

सिवनी मालवा नगर में इन दिनों खुलेआम सड़कों पर ओवरलोड ट्रक मंडी प्रांगण वेयरहाउस सहित दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्र में बने वेयर हाउस से ओवरलोड हो कर आते हैं जो नगर के बीचो-बीच सड़कों से फराटे दार अंदाज में रेल्वे की रेक पॉइंट पर पहुंचते हैं। इस रेक पॉइंट पर इन ट्रकों में जल्दी-जल्दी ट्रिप लगाने की दौड़ लगी रहती है जिसके कारण इन ट्रकों को नगर की सड़कों पर अंधाधुंध गति से दौड़ते हुए सरेआम देखा जाता है। जिसके कारण कई बार नगर में दुर्घटनाएं होती रहती है, जिसमे लोगो की जान चली जाती हैं। इन ट्रकों की कई बार नगर के नागरिकों ने इस बात की शिकायत सिवनी मालवा के एसडीएम कार्यालय में भी की गई है लेकिन समस्या जस के तस बनी है। क्या आरटीओ विभाग की तरफ से इन ओवरलोड ट्रकों को मोन सुकृति दी गई है यह पूछना चाहती है नगर की जनता ? पुराने से जर्जर होते इन ट्रकों को नगर की सड़कों पर दौड़ते हुए आसानी से देखा जाता है आखिर क्यों कभी आरटीओ विभाग ने उनके फिटनेस इनका परमिट सहित अन्य दस्तावेजों की कभी जांच करने की हिमाकत नहीं दिखाई।

नियम विरूद्ध चल रहे वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर शमन शुल्क वसूला

सीहोर, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर प्रवीण सिंह के निर्देश पर परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से वाहन चैकिंग की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान बिना परमिट, बिना फिटनेस, ओवरलोडिंग एवं नियम विरुद्ध चलने वाले वाहनों पर कार्यवाही करते हुए कुल 73 हजार 500 रूपए शमन शुल्क वसूल किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी श्री रितेश तिवारी ने बताया कि नियम विरुद्ध चलने वाले वाहनों पर की गई कार्यवाही में 8 ओवरलोडिंग वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 19 हजार 400 रूपए, बिना परमिट के संचालित 14 वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 44 हजार 600 रूपए, अन्य धाराओं में 11 वाहनों पर की गई कार्यवाही में 9500 रूपए शमन शुल्क वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि नियम विरूद्ध चल रहे वाहनों की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर नीरज सिंह ने किया तहसील कार्यालय डोलरिया औचक निरीक्षण

लंबित राजस्व प्रकरणों का एक सप्ताह में निराकरण करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर ने शनिवार को तहसील कार्यालय डोलरिया का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने यहां तहसीलदार न्यायालय में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की स्थिति देखी। उन्होंने 6 माह से अधिक के नामांतरण और बटवारा के प्रकरणों का एक सप्ताह में निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलदार डोलरिया को निर्देशित किया कि सीमांकन के लंबित प्रकरणों और नवीन दर्ज प्रकरणों का समय पर निराकरण कराएं। निर्धारीत दिवसों में रेवेन्यू कोर्ट का अनिवार्य रूप से संचालन किया जाए बिना अधिकृत अनुमति के कोर्ट का दिन रिक्त न हो,यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के हितग्राहियों के आधार बैंक खाता लिंक करने के लिए कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए।

न्यूसेंस हटाया जाना सुनिश्चित करें

कलेक्टर नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार सिटी मजिस्ट्रेट श्रीमती सम्पदा सराफ द्वारा सीवरेज पाइप लाइन बिछाने वाली कंपनी मेसर्स भुगन इंफ्राकोन प्राइवेट लिमिटेड को नगर में अव्यवस्थित पाइप लाइन बिछाने के कारण लोगो को हो रही असुविधा एवं जनहित प्रभावित होने के कारण कंपनी को सीआरपीसी की धारा 133(1) के अंतर्गत आदेशित किया गया है कि लोगों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए एक सप्ताह के भीतर पब्लिक न्यूसेंस हटाया जाना सुनिश्चित करें।

मेट्रो एंकर | विकसित भारत संकल्प यात्रा: ग्रामीणों से सीधा संवाद कर योजनाओं की जानकारी ली

संकल्प यात्रा कार्यक्रम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा सुचारु रुप से जारी हैं। संकल्प यात्रा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निकली जा रही है, जिसमें केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। शनिवार को नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने केसला अंतर्गत ग्राम घाटली में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं में लाभ के संबंध में जानकारी प्राप्त की। ग्रामीणों से चर्चा उपरांत उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संचालित योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने पंचायत और स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि आयुष्मान के शेष पात्र हितग्राहियों के रजिस्ट्रेशन करवाएं। शिविर के दौरान सुरक्षा बीमा एवं जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन कराएं जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणों से चर्चा कर जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना सीमांकन, योजनाओं के क्षेत्र में क्रियान्वयन की जानकारी ली। निरीक्षण की दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने शिविर में कृषि, स्वास्थ्य, पंचायत, राजस्व , इत्यादि विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम इटारसी टी प्रतीक राव सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पालनपुर में हुआ हित लाभ वितरण कार्यक्रम

शनिवार को जनपद नर्मदापुरम अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़ोदियाकला और पालनपुर में विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा के मुख्य आतिथ्य में हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। सिवनीमालवा अंतर्गत ग्राम पंचायत निरखी और जीरादेह, जनपद पिपरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर और ठूथादेहलवाड़ा, जनपद केसला अंतर्गत ग्राम पंचायत पथरोटा और घाटली, जनपद बनखेड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत डूमर और पुरेनारणधीर, जनपद माखननगर अंतर्गत ग्राम पंचायत खरगावाली और गनेरा में तथा जनपद सोहागपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चारगांव एवं गोहनादेहमाल में संकल्प यात्रा पहुंची और यहां हितलाभ वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद ट्रैफिक पुलिस ने चलाया जांच अभियान

बस, डंपर, ऑटो रिक्शा, स्कूल बसें सहित दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों पर कार्रवाई

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गुना बस हादसे में जिंदा जले यात्रियों की हृदय विदारक मौत के बाद अधिकारियों की नींद टूटी है। जो बसें नियम तोड़कर यात्रियों व सड़कों पर चलने वाले लोगों के लिए खतरा बनकर दौड़ रहीं थीं, उनकी शनिवार को जमकर धरपकड़ की गई। नियम तोड़ने वाली यात्री बसों की ओर मुड़कर भी न देखने वाले जिम्मेदार अफसरों ने अब सीएम की सख्त रुख के चलते ही एक ही दिन में 100 से अधिक वाहनों की जांच कर डाली। शहर में दो स्थानों पर यह जांच की गई, जिनमें तीन दर्जन से अधिक बसों की जांच की गई है, तो वही डंपर, ऑटो रिक्शा, स्कूल बस सहित अन्य वाहनों की भी जांच कर छः हजार रुपए जुर्माने की कार्रवाई की गई। जैसे ही बस संचालकों को ट्रैफिक पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की जानकारी मिली तो कई बसें समय अनुसार चलती नहीं दिखाई दी, तो वहीं कई दो पहिया वाहन एवं चार पहिया वाहन चालक रास्ता बदलकर चलते हुए दिखाई दिए। कई लोगों ने अपने नेताओं को कॉल कर बचने का प्रयास किया तो, प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए फोन पर बात करने से मना कर दिया और सख्ती के साथ कार्रवाई की। पहली बार प्रशासन एक्शन मोड में दिखाई दिया कार्रवाई के दौरान लोग तरह-तरह से बचने का प्रयास कर रहे थे लेकिन प्रशासन ने किसी की एक नहीं सुनी।एक ओर प्रदेश में नई सरकार बनी है, वहीं दूसरी ओर तहसील सहित जिले भर में वाहन व्यवस्था पुराने ढरे पर ही चल रही है। खासतौर पर कुरवाई, अशोकनगर सहित ग्रामीण क्षेत्र गरेंठा, बामोरिशाला, मुगलसराएं रूट पर कंडम बसें चल रही हैं। जिन पर सवारी करने के दौरान बैठने का समय तो नियत है, लेकिन पहुंचने का कोई ठिकाना नहीं रहता है।हालत ये है कि ग्रामीण क्षेत्रों मैं स्थिति काफी खराब है समय पर चलने वाली बस है अधिकांश समय आधा से 1 घंटे लेट ही पहुंचती है जिसके कारण यात्री समय पर अपनी गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते हैं।

100 से अधिक वाहनों के जांचे दस्तावेज व की चालानी कार्रवाई

परमिट के नाम पर हो रहा खेल

बसों के परमिट के नाम पर भी खेल हो रहा है। हालत ये है कि कई बसों में परमिट का ही जुगाड़ कर लिया जाता है, इन बसों को आरटीओ परमिट और फिटनेस सर्टिफिकेट कैसे जारी कर देती है, ये काफी ताज्जुब की बात है। फिलहाल परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस कार्रवाई की बात कह रहा है। बताया जा रहा है कि बस संचालक किसी भी तरह परमिट की व्यवस्था कर अपना काम चलाते हैं, मुसाफिरों की इन बस संचालको को कोई चिंता नहीं रहती। जिसके कारण आए दिन हादसे भी होते हैं।

हादसे के बाद कुछ दिन चलती है कार्रवाई

वरिष्ठ समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सिंह कहते हैं की शहर के यातायात के साथ यात्री सुरक्षा भी अहम है, लेकिन चालानी कार्रवाई के अलावा पुलिस कुछ नहीं करती है, अब बस हादसा हुआ तो दो जगहों पर कई वाहनों को पकड़ा, लेकिन हर रोज अगर छोटे अनुपात में कार्रवाई हो तो सुधार दिख सकता है। जबकि जिम्मेदारों अधिकारियों से लेकर ट्रैफिक प्रभारियों को सामान्य दिनों में कोई मतलब नहीं रहता है। वरिष्ठ समाजसेवी एडवोकेट संदीप बघेल का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस जांच तो करती है लेकिन कई बार पक्षपात पूर्ण कार्रवाई होती है जिसकी वजह से लोगों में आक्रोश रहता है यदि जांच नियम अनुसार और बिना पक्षपात के हो तो बड़े स्तर पर सुधार हो सकता है। जांच के दौरान आम नागरिकों को भी प्रशासन का समर्थन कर जरूरी दस्तावेज एवं नियमों को मानना चाहिए। सबसे अधिक खटारा बसें क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में संचालित की जा रही है इन क्षेत्रों में चलने वाली बसों में जमकर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है।

स्कूल वाहनों के संचालन में सुरक्षा मानक की अनदेखी

संचालित निजी विद्यालयों में अधिकांश के पास बस समेत अन्य चार पहिया वाहनों की सुविधा है। इन बसों और वाहनों के परिचालन से संबंधित कुछ नियम बनाए गए हैं। ताकि ऐसे वाहनों का सुरक्षित संचालन हो सके। लेकिन इन नियमों का पालन होता कहीं दिखता नहीं है। निर्धारित नियमों के पालन भी सख्ती से नहीं कराए जाते। इसके कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं। निजी विद्यालय की खटारा वाहनों की वजह से कई दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है । इसमें कई जगह मासूमों की मौत हो चुकी है एवं बच्चे घायल हो चुके है । स्कूल वाहनों में बच्चों को ठूंसकर-ठूंसकर बैठाया जाता है । अगर स्कूल वाहनों के कागजात चेक किये जाये तो रजिस्ट्रेशन तक नहीं मिलेगा और वाहनों में फर्स्ट ऐड बॉक्स का तो अता पता ही नहीं है और इस बारे में कई ड्रायवरों को जानकारी तक नहीं है इन वाहनों में अलग से भी सीटें जोड़ दी जाती है जो इन वाहनों की क्षमता से ज्यादा हो जाती है

स्कूल वाहनों के लिए निर्धारित नियम

- बस में फर्स्ट ऐड बॉक्स होना चाहिए।
- बस के शीशोंपर छड़ की रेलिंग लगी हो।
- अटेंडेंट यानि चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस, आईकार्ड और वाहन के कागजात होने चाहिए।
- विद्यालय की ओर से बस संचालन के लिए प्रदत्त प्रमाण पत्र हो।
- यदि स्कूल की निजी बस हो तो तो पीले रंग में होनी चाहिए।
- वाहन पर विद्यालय या इसके प्रबंधक का पता और दूरभाष नंबर होना चाहिए।
- फिटनेस प्रमाण पत्र होना चाहिए।
- स्कूलों के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन -
- बसों के आगे और पीछे स्कूल बस लिखा जाए।
- लीज की बसों में आगे-पीछे विद्यालयीय सेवा (ऑन स्कूल ड्यूटी) लिखें।
- बसों में निर्धारित सीटों से ज्यादा बच्चे न बैठें।
- बस में फर्स्ट एड बॉक्स अनिवार्य रूप से हों।
- बसों की खिड़कियों में डबल आड़ी ग्रिल लगी हों।
- आग बुझाने वाले उपकरण मौजूद हों।
- बस के ड्राइवर को बड़े वाहन चलाने का कम से कम पांच साल का अनुभव हो।
- स्कूल बस में ड्राइवर के अलावा एक अन्य व्यस्क व्यक्ति (स्कूल का शिक्षक) होना चाहिए।
- बच्चों के बैग रखने के लिए सीट के नीचे जगह होनी चाहिए।
- बस में स्पीड गवर्नर लगा होना चाहिए। इसकी स्पीड 40 किमी हो।

ड्राइवर, कंडेक्टर नहीं पहनते ड्रेस

बस में ड्राइवर और कंडक्टर नियमों का पालन नहीं करते हैं। ड्राइवर और कंडेक्टर हमेशा न तो वर्दी पहनते हैं और न ही वर्दी में नेम प्लेट लगाते हैं। अलग-अलग शहरों एवं गांव की ओर जाने के लिए क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक बसें चलती हैं, लेकिन एक भी बस की हालत ठीक नहीं है। अधिकांश बसों की स्थिति कंडम हालत में है ना तो प्रदूषण कार्ड हैं, और ना ही बस के अंदर इमरजेंसी की कोई सुविधा देखने को मिलती है। जबकि कई बार क्षेत्र में हादसे हो चुके हैं कई बार शिकायतें भी हो चुकी हैं बावजूद इसके परिवहन विभाग कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता निभा देता है, जिसके बाद स्थिति जस की तस हो जाती है।

इनका कहना है -

हमारे द्वारा निरंतर अभियान चलाकर जांच पड़ताल की जा रही है, शनिवार को बस, डंपर, स्कूल बसें, ऑटो रिक्शा सहित दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों की चेकिंग की गई है। जांच के दौरान जरूरी दस्तावेज नहीं होने पर जुर्माने की कार्रवाई की गई है।

***रीतेश वाघेला,** ट्रैफिक सूबेदार सिरोंज*

दर्जनों बेघर परिवारो ने तहसील कार्यालय पहुकर सौंपा ज्ञापन

बेघर हुए नागरिक बोल: साहब सिरोंज में यदि रेलवे स्टेशन होता तो मूंगफली बेच कर ही अपना परिवार चला लेते

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रशासन द्वारा चलाई जा रही अतिक्रमण मुहिम में बेघर हुए दर्जनो परिवारों ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष रजत सक्सेना के नेतृत्व में तहसील कार्यालय पहुचकर अनिविभागीय अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार को ज्ञौपन सौपा। उक्त ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि सिरोंज में सौंदर्यकरण के नाम पर लोगों को बेरोजगार एवं बैघर कर सौंदर्यकरण पर कुछ विशेष प्रशासन का ध्यान आर्कषण नही है। हमारे नगर में आज तक किसी प्रकार का सौंदर्यकरण नहीं हुआ। लगातार कई समाजसेवी द्वारा नगरपालिका एवं तहसील स्तरीय आवेदन विभिन्न प्रकार के संगठन एवं विभिन्न पार्टियों द्वारा दिया जा चुके है। लेकिन कोई कार्यावाही एवं सौंदर्यकरण संभव न हो सका, जैसे की प्रथम नगर का रिंग रोड जो की बड़े वाहनों की यातायात में आ जाने की ओर नगर में जाम की स्थति नहीं बनती जो की अब बहुत ज्यादा हो गई है दूसरे प्राचीन तालाब का विषय चर्चा में रहा है, जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।

साथ ही नगर को बहुत खूबसूरती प्रदान करता, प्रशासन की इस ओर निगाह बिलकुल भी नहीं जा रही है, तीसरा विषय नगर सिरोंज की प्राचीन नदी केथन नदी एवं धार्मिक भावनाओं से जुडी नदी 3.50 करोड के लगभग इसी सरकार में बी.जे.पी नगर पालिका कार्याकाल मे सौंदर्यकरण के लिए कई अनेक कार्य पास हुए लेकिन अभी तक कोई कार्य में सौंदर्यता को नहीं दर्शाता गया।

जागरूक नागरिक इस विषय को निरंतर उठाते रहे हैं और कहां कहां सौंदर्यकरण कार्य हुए है यह तो प्रशासन बहुत अच्छे तरह से जानता होगा लेकिन प्रशासन अभी जिस नेता के कहने से चल रहा है वास्तविकता से प्रशासन चाह कर भी परीचित नहीं होना चाहता।अब अतिक्रमण द्वारा बेरोजगारी की बात करे तो पूर्व में अनुविभागीय अधिकारी चंद्रमोहन ठाकुर एवं प्रशासन द्वारा नया बस स्टैंड पर अपनी गुमठी रख रोजी रोटी चलाने के लिए जगह दी गई थी लेकिन प्रशासन ने दोबारा उन लोगों की रोजी रोटी छीन ली गई, उनकी पूरी दुकान हटा दी। अगर प्रशासन वकई सौंदर्यकरण करना चाहता है तो नगर के लोग स्वागत करने में कभी पीछे नहीं हटते ओर प्रशासन का भी भरपूर सहयोग भी किया। लेकिन जिन लोगों को बेरोजगार किया है कम से कम उन लोगों को इस जगह पर बनने वाले कॉम्प्लेक्स में बनने वाली दुकानों में कम कीमत एवं छोटी दुकान बनाकर उनको प्राथमिकता दी जाए जिससे वह अपना व्यापार कर घर चला सकें।

साहब वैसे ही रोजगार नहीं है ऊपर से घर भी टूट गया

स्थानीय प्रशासन द्वारा जो अतिक्रमण मुहिम चलाई जा रही है और घरो को तोडने की कार्यवाही की जा रही है। उस पर प्रशासन को गंभीर विचार करना चाहिए की अभी तक जो लोग अतिकमण करते रहे कच्चे से पक्के घर बना लिए जब से प्रशासन मौन क्यों था। ऐसा भी नहीं है कि पहले प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की मुहीम नहीं चलाई हो लेकिन सिर्फ खाना पूर्ति कर चले जाना आज दोनो पक्ष को भारी पड रहा है इधर मकान मालिक को जिसने जीवन भर की महनत और पसीने की कमाई से मकान को बना लिया। दूसरी ओर प्रशासन द्वारा कर्मचारियों का समय एवं सरकारी पैसा खर्चा बडी संख्या में दिखाई दे रहा है ओर अगर पहले ही कुछ सुदर्यता का कार्य हो जाता तो यह बडी हानि का सामना नहीं करना पडता। प्रशासन द्वारा अब जो तोड फोड सौदर्यकरण के के नाम पर की जा रही है। शहर को सुंदर बनाया जाए एवं सौंदर्यकरण का कार्य प्राथमिकता से किया जाए।

उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

विदिशा। कैरियर काउंसलिंग अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण के लिए आज विदिशा के शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को भोपाल के इंजीनियरिंग कॉलेज का भ्रमण कर आवश्यक जानकारियों से अवगत कराया गया है। शिक्षक विजय श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यालय में करियर काउंसलिंग अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य के सिंह के मार्गदर्शन मे कक्षा 12वीं की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के साथ-साथ सांची का स्तूप व सांची के बारे में गाइड किया गया। इंजीनियरिंग कॉलेज में एलएलबी और इंजीनियरिंग फैकल्टी के शिक्षकों द्वारा छात्राओं को अवगत कराया गया।

दो दिन के लिए रोकी अतिक्रमण की कारवाई, सोमवार से फिर होगी शुरू

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पहली बार अतिक्रमण धारियों के चंगुल से मुक्ति शहर वासियों को छुटकारा दिलाने के लिए धरातल पर एक तरफ से करवाई करवाने का काम एसडीएम हर्षल चौधरी के द्वारा करवाया जा रहा है। इसका असर भी दिखाई देने लगा है सकरे रास्ते भी चौड़े हो गए हैं चौराहों पर भी काफी जगह हो गई है। जिन लोगों ने लंबे समय से कच्चे पक्के तथा अस्थाई रूप से अतिक्रमण करके यातायात को बाधित किया जा रहा था उनके खिलाफ भी प्रशासन का बुलडोजर एक तरफ से चल रहा है। एसडीएम ने बताएं कि पेंडिंग काम और शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को लेकर काम करना इसलिए अभी 2 दिन के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को रोका है । सोमवार से फिर अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई होगी ।अतिक्रमण दल के प्रभारी संजीव यादव ने बताएं कि लगातार एसडीएम के मार्गदर्शन में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नगर पालिका प्रशासन के द्वारा किया रही है ।

एसडीएम के द्वारा श्मशान घाट और कब्रिस्तान को भी चौड़ा करके यहां मार्ग भी र चौड़ा करवा दिया। कब्रिस्तान की तरफ सड़क बनने पर विवाद करने वालों को दो टूक हिदायत देकर एसडीएम ने चुप कर दिया कहा कि शासन की जगह है वहीं से सड़क बनेगी किसी को भी कब्जा नहीं करने दिया जाएगा शासकीय जगह पूरी तरह से अतिक्रमण मुक्त होगी शुक्रवार को रात 10 बजे कब्रिस्तान एसडीएम को पहुंचना पड़ा था तब जाकर यहां पर काम प्रारंभ हो पाया था।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोतवाली नगरीय पुलिस भोपाल म.प्र.

क्रमांक/थाप्र/कोत./भो./डी-621/2023 दिनांक : 26-12-2023

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोतवाली भोपाल का मर्ग क्रमांक 12/2023 धारा 174 जाफो में मृतक अज्ञात मृतक पुरूष उम्र 24 साल नि. अज्ञात मृतक का हुलिया निम्नानुसार है।

रंग-सावला, चेहरा-लंबा, सिर के बाल लम्बे काले व अधपके, दुबला पतला, दाढ़ी मूछ, आकाशी रंग की फुल बाये वाली शर्ट एवं आकाशीय रंग की जीन्श जो घुटने पहने हुये है। भीख मांग कर गुजर बसर करता था ऐसा प्रतीत होता है कि जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है यदि इस मृतक व्यक्ति के संबंध में किसी व्यक्ति के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो या वह इसके परिजन हो तो थाना कोतवाली भोपाल आकर संपर्क करे तथा दूरभाष-0755-2677309, 0755-2443220 पर सम्पर्क करे।

थाना प्रभारी
थाना कोतवाली, भोपाल

G-22390/23

मेट्रो एंकर शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन कर किया

विकसित भारत संकल्प यात्रा: ग्राम पंचायत सुआखेड़ी, अटारी खेजड़ा वैन पहुंची, उज्जवला योजना गैस कनेक्शन दिए

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत आज जिले की ग्राम पंचायत सुआखेड़ी और अटारीखेजड़ा में आयोजित कार्यक्रम में जिले को आवंटित आईईसी वैन प्रचार रथ पहुंचा। कार्यक्रम में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री तोरणसिंह दांगी समेत अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन व कन्या पूजन कर किया गया।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने ग्राम पंचायतों में पहुंचकर कार्यक्रम को संबोधित कर विकसित भारत संकल्प यात्रा के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए भारत सरकार द्वारा आमजनों के हितों में चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला।

विदिशा विधायक श्री टंडन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संकल्प है कि देश की गरीब जनता तक योजनाओं का लाभ पहुंचे , हमारे बीच में मोदी जी की गारंटी का रथ आया है जो पूरे विधानसभा क्षेत्र में घूम रहा है केंद्र सरकार ने विगत वर्षों से जनता के हित में जो काम किए हैं इसी को लेकर देश भर में विकसित भारत यात्रा निकाली जा रही है। साथ ही सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए शीघ्र ही विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतो में सामुदायिक भवन बनवाए जाएंगे, आवश्यकतानुसार गौशालाएं भी बनवाई जाएंगी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव साझा किए। लाभार्थियों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गैस कनेक्शन दिए गए। दोनों ग्राम पंचायतों में जिले को आवंटित आईईसी वैन (प्रचार रथ) के माध्यम से प्रधानमंत्री जी का संदेश तथा विकसित भारत संकल्प वीडियो का प्रसारण भी किया गया जिसे उपस्थित ग्रामीणजनों के द्वारा देखा और सुना गया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों द्वारा हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया। ग्राम पंचायत सुआखेड़ी और अटारीखेजड़ा में विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने उपस्थित ग्रामीणजनों को विकसित भारत संकल्प यात्रा तहत निर्धारित प्रारूप की शपथ का वाचन कराया जिसे सभी के द्वारा दोहराया गया। इस दौरान कॉ-ऑपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री श्यामसुंदर शर्मा, श्री अरविन्द श्रीवास्तव, श्री ब्रजेश लोधी, श्री प्रतीक कंग, श्री छत्रपाल शर्मा समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और सरपंच, सचिव जन अभियान परिषद् व जन सेवा मित्र मौजूद रहे।

साउथ अफ्रीका बोर्ड ने दी जानकारी

जेराल्ड भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर, केप टाउन टेस्ट 3 जनवरी से

नईदिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कूट्जी भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। कूट्जी पेल्विक में सूजन की वजह से केपटाउन में होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे। साउथ अफ्रीका बोर्ड ने इसकी जानकारी ट्वीट कर दी है। साउथ अफ्रीका ने अब तक उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर किसी का नाम नहीं बताया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने कहा, सेंचुरियन में पहले टेस्ट के दौरान कूट्जी को सूजन हो गई और भारत की दूसरी पारी में गेंदबाजी करते समय उनकी परेशानी ज्यादा बढ़ गई। उन्हें स्कैन के लिए भेजा गया, जिसमें चोट की गंभीरता का पता चला है। टीम के टेस्ट कोच शुकरी कोनराड ने कहा, एहतियात के तौर पर कूट्जी को टीम से रिलीज करने का फैसला किया गया है। कोनराड ने आगे कहा, इसकी कोई संभावना नहीं है कि वो 10 जनवरी से शुरू होने वाले टी 20 के लिए फिट होंगे। 23 साल के अफ्रीकी गेंदबाज ने सेंचुरियन में खेले पहले टेस्ट में सिर्फ एक विकेट लिया था। कूट्जी की जगह साउथ अफ्रीका के पास लुंगी एनगिडी और वियान मुल्डर के रूप में अन्य तेज गेंदबाजी विकल्प हैं। कूट्जी से पहले टीम के कप्तान टेम्बा बावुमा हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं।

साउथ अफ्रीकी कप्तान बावुमा भी दूसरे टेस्ट से बाहर

साउथ अफ्रीकी कप्तान टेम्बा बावुमा भी केप टाउन में 3 जनवरी से भारत के खिलाफ खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मुकाबले से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह दूसरे टेस्ट में डीन एल्गर टीम की कप्तानी करेंगे। मैच खत्म होने के साथ ही साउथ अफ्रीका के हेड कोच शुकरी कोनराड ने कन्फर्म किया कि टेम्बा बावुमा हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के चलते बाहर हो गए हैं। वह अगला मैच मिस करने वाले हैं।

पहले टेस्ट मुकाबले के पहले दिन बावुमा हो गए थे चोटिल

बावुमा सेंचुरियन टेस्ट मैच के पहले दिन 20वें ओवर में लॉन्ग-ऑफ पर गेंद को बाउंड्री से पहले रोकते समय चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने तुरंत मैदान छोड़ दिया और उन्हें स्कैन के लिए भेजा गया, जिसमें खिंचाव का पता चला था। दूसरा और आखिरी टेस्ट 3 जनवरी 2024 से केप टाउन में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका ने पहले टेस्ट में भारत को 32 रन से हराया

सेंचुरियन टेस्ट में भारत तीसरे ही दिन पारी और 32 रन से हार गया। साउथ अफ्रीका ने टीम को दूसरी पारी में 131 रन पर ऑलआउट कर दिया। विराट कोहली ने फिफ्टी लगाई, बाकी बैटर्स कुछ खास नहीं कर सके। साउथ अफ्रीका से नांद्रे बर्गर को 4 विकेट मिले। पहले टेस्ट में जीत के साथ साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

आदित्य के साथ रिश्ते को लेकर की बात

अनन्या पांडे बोली- पार्टनर को लेकर रहती हूं पजेसिव...

बी टाउन के हॉट सेलेब्स में शुमार आदित्य राय कपूर और अनन्या पांडे अपने डेटिंग की खबरों को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं, लेकिन यह दोनों सितारें न तो अपने रिश्ते को स्वीकार करते हैं और न ही इससे इंकार करते हैं। हाल ही में इन दोनों स्टार्स को न्यू ईयर की छुट्टियों पर भी साथ जाते देखा गया था। वही, अब अनन्या पांडे ने इस रूमर्ड रिलेशनशिप को लेकर बात की है। एक इंटरव्यू में अनन्या ने रिलेशनशिप की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, वे किसी भी डेटिंग ऐप पर नहीं है और न ही सोशल मीडिया पर कभी अपने रिश्तों को लेकर बात करेंगी। उन्होंने कहा कि अगर उनका पार्टनर सोशल मीडिया पर किसी दूसरी लड़की की हॉट तस्वीरें को लाइक करता है, तो वे पजेसिव हो जाती हैं। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर लोगों को फॉलो करने के लिए वे फिनस्टा या फेक इंस्टाग्राम अकाउंट का इस्तेमाल नहीं करने वाली हैं।

अनन्या ने हाल ही में कॉफी विद करण सीजन 8 में भी नजर आईं थी, जहां उन्होंने आदित्य रॉय कपूर के साथ डेटिंग पर बात की थी। इस दौरान शो के होस्ट करण जौहर ने जब उनसे पूछा कि क्या वह आदित्य के साथ फ्रेंडजोन में है या नहीं, तो ड्रीम गर्ल 2 की अभिनेत्री अनन्या ने उन्हें अपना दोस्त बताया था। इस पर करण फिर से पूछा था, क्या यह प्यार दोस्ती हैं? तो अनन्या ने इस खारिज करते हुए कहा, हम सच में बहुत अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल, अनन्या अपनी हालिया रिलीज, 'खो गए हम कहां' का आनंद ले रही है। इस फिल्म में उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म मुंबई के तीन दोस्त पर आधारित है, जिसका निर्देशन फिल्ममेकर अर्जुन वरैन सिंह ने किया है।

फेम के बाद भी फिल्मों में नहीं बनी थी आरुषि की बात

बॉलीवुड में कई एक्टर और एक्ट्रेसेस हैं जिन्होंने अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों को काफी इंप्रेस किया है. आज के समय की खास बात ये है कि ओटीटी की वजह से कई बेहतरीन कलाकार इंडस्ट्री में आए हैं. ओटीटी प्लेटफॉर्म की वजह से उनके टैलेंट को पहचान मिलती है. साथ ही आर्टिस्ट को काफी मौके भी मिलते हैं अपना टैलेंट दिखाने के, ऐसी ही एक एक्ट्रेस हैं जिन्हें ओटीटी के जरिए अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिला. ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि आरुषि शर्मा हैं. आरुषि ने अपने करियर की शुरुआत इम्तियाज अली की फिल्म 'तमाशा' से की थी लेकिन उन्हें खास पहचान नहीं मिल पाई. इतना ही नहीं आरुषि ने इंडस्ट्री छोड़कर कॉर्पोरेट कंपनी में नौकरी भी ढूंढना शुरू कर दिया था. इस फिल्म में रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण लीड रोल में नजर आए थे. आरुषि फिल्म में सीता के किरदार में नजर आईं थीं. उनका रोल बहुत ही छोटा था. इस फिल्म से आरुषि को पहचान नहीं मिल पाई थी.

कार्तिक आर्यन की बनीं एक्ट्रेस : तमाशा के बाद आरुषि इम्तियाज अली की फिल्म 'लव आज कल' में नजर आई थीं. फिल्म में आरुषि कार्तिक आर्यन के अपोजिट नजर आई थीं. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी लेकिन आरुषि की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था. मगर उसके बाद लॉकडाउन लग गया था और आरुषि के करियर पर देखो ताला ही लग गया था.

इंजीनियरिंग कंपनी में ढूंढने लगीं थीं नौकरी : लॉकडाउन की वजह से कई बॉलीवुड एक्टर्स को स्ट्रगल करना पड़ा था. उस समय आरुषि के करियर की शुरुआत हुई थी और शुरू में ही उन्हें लंबा ब्रेक लेना पड़ गया था. एक्ट्रेस को काम मिलना भी बंद हो गया था. ऐसी परिस्थिति में आरुषि के लिए सरवाइव करना बहुत मुश्किल था. उस समय आरुषि ने एक्टिंग छोड़ दी थी और इंजीनियरिंग कंपनी में नौकरी ढूंढना शुरू कर दिया था. कई सालों तक स्ट्रगल करने के बाद आरुषि को 2022 में आई फिल्म जादूगर में फीमेल लीड का रोल मिला था.

दक्षिण की अभिनेत्री तृषा की तरह साल बाद बॉलीवुड में होगी वापसी

तृषा दक्षिण सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। लगातार दो दशक से वे अपनी फिल्मों से धमाल मचा रही हैं। इस दौरान उन्होंने दक्षिण भारत के लगभग हर सुपरस्टार के साथ काम किया। तृषा की लिस्ट में कई शानदार फिल्में दर्ज हैं, जिसके लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब 13 साल बाद तृषा हिंदी सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तृषा निर्देशक विष्णु वर्धन की अगली फिल्म में लीड रोल निभाने जा रही हैं। इस फिल्म में वे बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के अपोजिट नजर आएंगी। जल्द ही इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा होने की भी उम्मीद है। साउथ में एक अभिनेत्री के रूप तृषा का प्रदर्शन शानदार रहा है, उनकी हालिया रिलीज फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर बंपर कलेक्शन किया है। तृषा ने 2010 में प्रियदर्शन की फिल्म खट्टा-मीठा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म उन्होंने अक्षय कुमार के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन राजनीतिक व्यंग्य पर आधारित यह फिल्म दर्शकों को कुछ खास-पसंद नहीं आई और तृषा का हिंदी सिनेमा से मोहभंग हो गया। हालांकि, अब एक बार फिर तृषा बॉलीवुड में अपनी मजबूत पकड़ बनाने की उम्मीद से हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिलहाल तृषा की कई साउथ फिल्में लाइन में हैं। वे तमिल में अपनी फिल्म विदामुयार्ची और मलयालम में आइडेंटिटी की शूटिंग कर रही हैं। वे एक साथ इन दोनों फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वे मणिरत्नम की फिल्म ठग लाइफ़ की शूटिंग शुरू करेंगी। इस फिल्म में वे दिग्गज अभिनेता कमल हासन के साथ मुख्य भूमिका में होंगी, जो 2024 में रिलीज होगी। बॉलीवुड में भी तृषा की अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। तृषा के फैंस अभिनेत्री के हिंदी सिनेमा में वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

2000में ऑस्ट्रेलिया, 2023 में रही भारतीय टीम रही सफल

भारत के लिए वनडे में साल 2023 बेस्ट, रिकॉर्ड ध्वस्त

नईदिल्ली, एजेंसी

साल 2023 में भारत ने अपने वनडे इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। टीम इंडिया इस कदर हावी रही कि उसका प्रदर्शन 2000 के दशक वाली ऑस्ट्रेलिया टीम की याद दिला गया। भारत ने इस साल खेले 35 वनडे में से 27 में जीत हासिल की, जो कि इतने ही मुकाबले खेलकर साल 2003 में ऑस्ट्रेलिया (30 जीत) के बाद सबसे ज्यादा है। इससे पहले वनडे में टीम इंडिया का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन साल 1998 में था, जहां उसने 24 वनडे मैच जीते थे। साल 2023 में भारत ने एक कैलेंडर ईयर में जीत का औसत अंतर, सबसे ज्यादा बार 200+ रन से जीत, सबसे बड़े स्कोर, सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा छक्के, सबसे ज्यादा विकेट जैसे रिकॉर्ड्स बना दिए जिन्हें कम होते वनडे मुकाबलों के बीच तोड़ना बहुत मुश्किल होगा। भारत ने साल 2023 में 14 मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए जीते। इनमें उसका औसत जीत अंतर 143 रन रहा, जो वनडे इतिहास में सर्वाधिक है। अफ्रीका का जीत का औसत अंतर 137 रन रहा। साल 2003 में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 मैच 122 रन के औसत अंतर से जीते थे। 2007 की ऑस्ट्रेलिया टीम ने 12 मैच 105 रन के औसत अंतर से जीते।

शतकों में अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी

साल 2023 में 9 बार भारत का स्कोर 350+ के पार पहुंचा। यह किसी टीम के एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा 350+ स्कोर हैं। उसने साल 2019 में इंग्लैंड के 7 बार 350+ रन का रिकॉर्ड तोड़ा। टीम इंडिया की ओर से इस साल 19 शतक लगे। साल 2017 के अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी की। कोहली वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक लगाकर दुनिया में 50 वनडे शतक वाले पहले बल्लेबाज बने।

पहले बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 143 रन के औसत अंतर से जीते

पहली बार किसी टीम के 250 छक्के, रोहित रिकॉर्ड ब्रेकर

टीम इंडिया इस साल वनडे इतिहास के किसी साल में 250 छक्के जमाने वाली पहली टीम बन गई। अफ्रीका ने 225 छक्के लगाकर रिकॉर्ड टैली में दूसरा स्थान हथिया लिया। दोनों टीमों ने विंडीज के साल 2019 में लगे 209 छक्कों का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने इन 250 में से 67 छक्के जड़े। यह किसी बल्लेबाज द्वारा एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक है। रोहित ने एबी डिविलियर्स (58 छक्के, साल 2015) का रिकॉर्ड तोड़ा।

सर्वाधिक विकेट के रिकॉर्ड तोड़े, सबसे ज्यादा 5 विकेट

भारत ने इस साल 289 विकेट लेकर साल 1998 में 286 विकेट लेने का अपना रिकॉर्ड ही तोड़ दिया। इस साल हर 27.4वीं गेंद पर विकेट चटकाया, जो किसी टीम के लिए एक कैलेंडर ईयर में बेस्ट स्ट्राइक रेट है। भारतीय टीम ने इस साल आठ बार पारी में पांच विकेट भी लिए। इससे पाकिस्तान (1990), ऑस्ट्रेलिया (2004) और श्रीलंका (2008) के 6-6 फाइव विकेट हॉल के पुराने रिकॉर्ड टूट गए।

अफगानिस्तान ने पहले टी-20 में यूएई को हराया

शारजाह, एजेंसी

अफगानिस्तान ने शारजाह में खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच में बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के शतक की बदौलत यूएई को 72 रनों से हराया। वहीं अफगानिस्तान क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से बैन लगाए गए तीन खिलाड़ियों में से दो फजल हक फारूकी और नवीन उल हक को मैच में शामिल भी किया। अफगानिस्तान ने 3 विकेट के नुकसान पर 203 रन बनाए। 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई की टीम 20 ओवर में 4 विकेट 131 रन ही बना सकी। अफगानिस्तान को पहला झटका 31 रन के स्कोर पर अरविंद ने दिया। उन्होंने ओपनर हजरतुल्लाह जजई को अयान अफजल के हाथों कैच करवा कर पवेलियन भेजा। जजई ने 16 गेंदों का सामना कर 13 रन बनाए। अफगानिस्तान ने पावर प्ले यानी 6 ओवर में बाद 1 विकेट खोकर 45 रन बना लिए थे। दूसरे ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज ने कैप्टन इब्राहिम जादरान के साथ मिलकर पारी को संभाला और स्कोर 168 रन तक पहुंचाया। गुरबाज व जादरान के बीच 77 गेंदों पर 137 रन की पार्टनरशिप हुई। गुरबाज 52 गेंदों में 100 रन बनाकर आउट हुए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने इस दौरान अपनी पारी में 7 चौके और 7 छक्के लगाए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 192.31 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज के अलावा इब्राहिम जादरान ने 43 गेंदों में 59 रनों की पारी खेली।

विमेंस क्रिकेट: वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम ने दूसरे वनडे मैच में भारत को 3 रन से हरा दिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 3 वनडे मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से जीत हासिल की थी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 258 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 50 ओवर में 8 विकेट खो कर 255 रन ही बना सकी। फीबे लीचफिल्ड (63), एलिस पेरी (50) ने अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, एनाबेल सदरलैंड को 3 विकेट मिले। भारत से दीप्ती शर्मा ने 5 विकेट लिए और ऋचा घोष 96 रन बना कर शतक चूक गई। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में 2 जनवरी को होगा। इसके बाद दोनों टीम 3 टी-20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत मजबूत, मिडिल ऑर्डर लड़खड़ाया ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत कप्तान एलिसा हीली और फीबे लीचफिल्ड ने की। हीली 13 रन बना कर पवेलियन लौटी, वे पूजा वस्त्राकर का शिकार बनीं। तीसरे नंबर पर एलिस पेरी आईं और फीबे के साथ पारी को संभाला। दोनों बैटर्स के बीच 77 रन की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में दीप्ती शर्मा ने पेरी का विकेट ले कर इस साझेदारी को तोड़ा।

नए साल में डीपफेक बन सकती है सबसे बड़ी समस्या

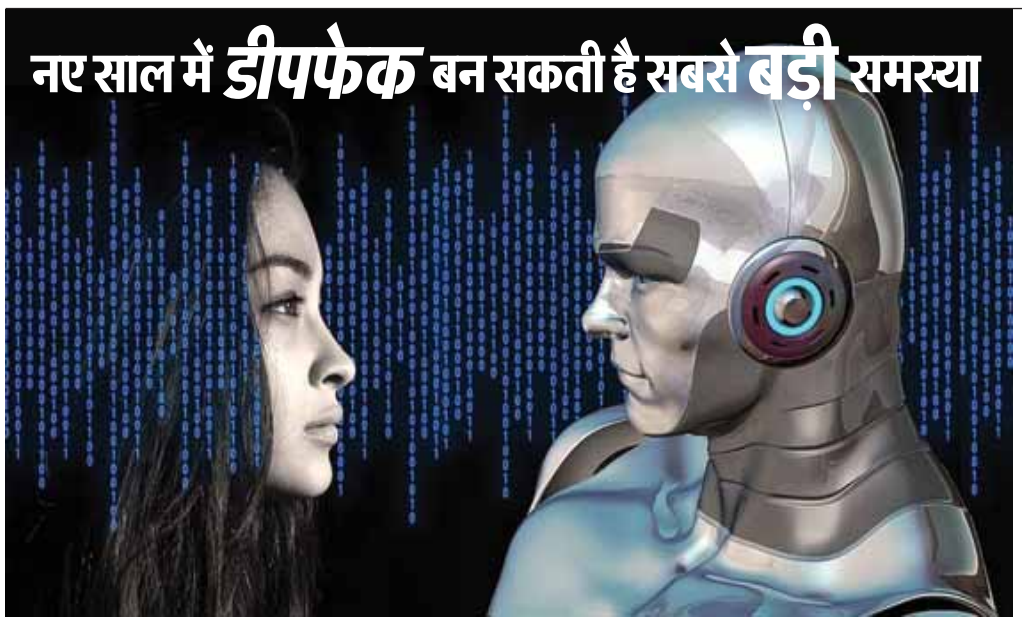

Life&Style METRO

आने वाला साल सोशल मीडिया समाज और सरकार के लिए कुछ बड़ी चुनौतियों की वजह बनेगा। उसमें सबसे बड़ी चुनौती है डीपफेक। हाल ही में अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के अश्लील फोटो डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार करके प्रसारित किए गए। पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है। आने वाले दिनों में अगर इस तकनीक के इस्तेमाल के लिए कड़े कानून और ठोस दिशा निर्देश नहीं बनाए गए तो यह समाज के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरेगा। इसकी वजह से कानूनी मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं सोशल मीडिया ने सूचनाओं को पहले की तुलना में कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बनाया। लेकिन इस विस्तार के साथ ही कमी भी दर्ज की गई। अब वर्ष 2024 में सोशल मीडिया पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। सार्थक सामाजिक हस्तक्षेप की दिशा में सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर पिछले कुछ सालों में उम्मीदों के पहाड़ खड़े हो गए थे। मान लिया गया था कि दुनिया में गरीबी, अशिक्षा, कुरीति आदि के अंधेरे को खत्म करने में सोशल मीडिया कारगर हथियार होगा।

सोशल मीडिया बन सकता है बड़ी चुनौती

सोशल मीडिया का विकास दैत्याकार अंदाज में हो रहा है। इसे इस्तेमाल करने वाली शख्सियतों की ठोस जवाबदारी न होने की वजह से यह जहर के माफिक खतरनाक होता जा रहा है। हालांकि वर्ष 2010-11 में दुनिया ने दो क्रांतियां देखीं। पहली रही अरब स्प्रिंग के नाम से विख्यात अपेक्षाकृत रूढ़िवादी इस्लामी देशों में हुआ बदलाव और दूसरी भारत का सिविल सोसायटी का दोनों की बुनियाद में सबसे बड़ा योगदान सोशल मीडिया का रहा था। सहज-सुलभ तकनीकी विस्तार के चलते उस तक सबकी पहुंच रही।

जानकारियों की जरूरत बढ़ेगी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जरूरत सामाजिकता को बढ़ावा देने की है। अब तक उपलब्ध माध्यमों में सामाजिकता सीमित हुई है और अराजकता बढ़ी है। फिर भी सार्थक संवाद वाले नए प्लेटफॉर्म भी विकसित हो सकते हैं, अराजकता के बाद प्रामाणिकता की ओर दुनिया ज्यादा गहरी निगाह लगाए बैठी है। सरकार के तमाम प्रयास विफल हो रहे हैं। इसलिए सोशल मीडिया मंचों पर प्रामाणिक जानकारियों की जरूरत बढ़ेगी। छोटे वीडियो बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। हालांकि उनके विस्तार में अब तक अश्लीलता और अर्धनग्नता को बड़ा कारक माना गया है।

आरजीपीवी : एम्स में जरूरतमंदों को स्टूडेंट्स ने बांटे कंबल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) के छात्र-छात्राओं द्वारा रात्रि में एम्स भोपाल में जरूरतमान व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए। छात्र-छात्राएं ने स्वयं से पैसे इकट्ठे करके कंबल खरीदकर गरीबों को बांटे हैं। इसके पूर्व गुरुवार को भोपाल स्टेशन पर 30 कंबल जरूरतमंद लोगों को बांटे गए थे। वहीं 25 कंबल हर एक छात्र को दिए गए हैं, जो कहीं भी जरूरतमंद मिलने पर उसे दिया जा सके। इस अवसर पर चेतन धाकड़, पर्व राय, चेतन तिवारी, श्रेयश जैन, पलक तिवारी, मधुसूदन जाटव, मयंक मिश्रा आदि उपस्थित रहे। इसके साथ ही एनएसएस के संयोजक प्रो. अविनाश राय एवं प्रो. उदय चैरसिया ने छात्रों का साथ देकर उन्हें इस तरह के कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया।

हमीदिया अस्पताल से फरार बंदी, विदिशा में पकड़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल सेंट्रल जेल में हत्या के प्रयास के मामले में सात साल की सजा काट रहा एक कैदी शनिवार को हमीदिया अस्पताल से भाग निकला। उसे इलाज के लिए अन्य कैदियों के साथ हमीदिया अस्पताल ले जाया गया था। एक्सरे रूप के सामने रिपोर्ट लेने के बहाने वह जेल प्रहरी से हथकड़ी छुड़ाकर भाग गया। इस मामले में जेल प्रहरी और प्रभारी को निलंबित किया था। कोहेफिजा पुलिस ने कैदी के हिरासत से भागने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। इसी बीच आरोपी को कल रात विदिशा से दबोच लिया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी नदीम खान (26) पुल बोगदा स्थित फायर स्टेशन के पास जहांगीराबाद में रहता था। उसके खिलाफ करीब डेढ़ दर्जन संगीन अपराध दर्ज हैं। इसी साल अक्टूबर 2023 में भोपाल न्यायालय ने उसे हत्या

फाइल फोटो

के प्रयास के एक मामले में सात साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद से वह केंद्रीय जेल में सजा काट रहा था। नदीम के हाथ का आपरेशन हो चुका है, जिसमें राड डली हुई है। पिछले कुछ दिनों से उसके हाथ में असहनीय दर्द हो रहा था। जेल के डाक्टरों ने उसे हमीदिया अस्पताल में इलाज करवाने की सलाह दी थी। शनिवार को नदीम खान छह अन्य पुरुष और एक महिला कैदी के साथ इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचा था। यहां जेल प्रहरी दीपेश इंगले उसके साथ था। सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे नदीम को एक्सरे रूम के पास ले जाया गया था। यहां से उसे अपनी रिपोर्ट प्राप्त करनी थी। रिपोर्ट लेने के लिए नदीम खान अंदर जाने वाला था, तभी हथकड़ी छुड़ाकर मौके से गायब हो गया। कैदी के भागने के बाद जेल प्रहरी ने इसकी जानकारी प्रभारी प्रहरी दिनेश कुमरे को दी, जिसके बाद जेल प्रबंधन को सूचना दी गई। आसपास तलाश करने के बाद भी जब नदीम का कुछ पता नहीं चला तो उसके खिलाफ कोहेफिजा थाने में हिरासत से भागने का मामला दर्ज करवाया गया था। पुलिस ने आरोपी को विदिशा से दबोच लिया है। प्रहरी दीपेश होशंगाबाद संभाग की बरेली जेल में पदस्थ है। फिलहाल उसे कैदियों के उपचार के लिए केंद्रीय जेल भोपाल में अटैच किया गया था।

स्पीड राडार गन और ब्रीथ एनालाइजर से होगी जांच, शांतिपूर्वक नए साल के स्वागत की अपील

नववर्ष पर 100 से ज्यादा स्थानों पर होगी चैकिंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नववर्ष की पूर्व संध्या पर रविवार की शाम से ही पुलिस सड़कों पर तैनात रहेगी। इस दौरान 100 से ज्यादा स्थानों पर चैकिंग पाइंट्स लगाकर वाहनों की चैकिंग की जाएगी। इसके साथ ही स्पीड राडार गन और ब्रीथ एनालाइजर से लोगों की जांच की जाएगी। इसके लिए 500 पुलिस कर्मचारियों का अतिरिक्त बल भी तैनात किया जाएगा। पुलिस अफसरों ने आमजनता से अपील की है कि वह अपने परिवार के साथ नए साल का स्वागत करें और शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखें। सड़क पर किसी प्रकार का हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल नए साल का जश्न मनाने के लिए लोगों ने हर प्रकार की तैयारी पूरी कर ली है। इसके साथ ही पुलिस ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी तैयारी भी कर रखी है। पुलिस ने आम जनता से अनुरोध किया है कि वह किसी प्रकार के ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन नहीं करें। अपने वाहनों को निर्धारित स्थानों अथवा पार्किंग में ही पार्क करें, ताकि दूसरे वाहन चालकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने पाए। वाहन चलाते समय किसी भी प्रकार के नशे के सेवन नहीं करें। वाहनों को निर्धारित गति सीमामें ही चलाएं और सड़क पर किसी प्रकार की स्टंटबाजी नहीं करें। नए साल को लेकर किसी प्रकार का हुड़दंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

हुड़दंग मचाया तो हवालात में मनेगा नया साल

फाइल फोटो

100 से ज्यादा स्थानों पर होगी चैकिंग

पुलिस ने बताया कि रविवार की शाम 6 बजे से शहर में 100 से ज्यादा स्थानों पर पाइंट्स लगाकर वाहनों की चैकिंग की जाएगी जो रात करीब 2 बजे तक लगातार जारी रहेगी। इसके बाद भी पुलिस की सड़क पर मौजूदगी रहेगी। इस दौरान स्पीडा राडार गन, ब्रीथ एनालाइजर से जांच की जाएगी। इंटरसेप्टर वाहन भी रफ्तार पर अपनी नजर रखेगा। रात दस बजे के बाद लाउडस्पीकर नहीं बजाए जाएंगे। होटल-ढाबे और रेस्टारेंट भी अपने समय पर ही बंद होंगे। नए साल का जश्न अपने परिवार और मित्रों के बीच उल्लास के साथ मनाने की अपील अफसरों ने की है।

निशातपुरा में दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा में रहने वाले दसवीं कक्षा के एक छात्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि छात्र पिछले दो-तीन साल से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था, जिसका इलाज करवाया जा रहा था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक ऋषी साहू पुत्र कृष्णा साहू (17) करोंद में रहता था और दसवीं कक्षा में पढ़ता था। उसके पिता प्रायवेट काम काम करते हैं। परिवार में माता पिता के अलावा दो भाई और एक बहन है। शनिवार की शाम करीब चार बजे ऋषी अपने कमरे में कम्प्यूटर पर कुछ काम कर रहा था। कुछ देर बाद परिजनों की नजर पड़ी तो वह बेल्ट से फांसी का फंदा बनाकर हुक से लटका दिखा। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया। पूछताछ में परिजनों ने बताया कि ऋषि पिछले कुछ साल से मानसिक रूप से बीमार था, जिसका इलाज करवाया जा रहा था। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

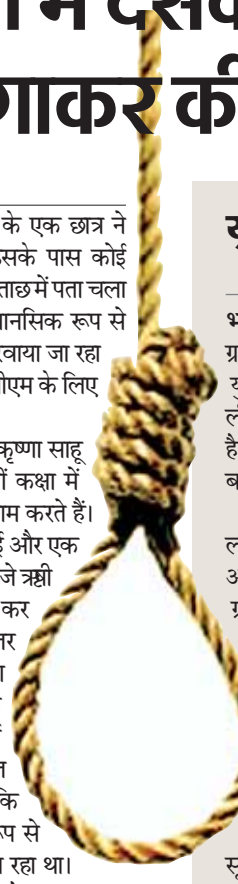

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। बैरसिया थाना क्षेत्र स्थित मेला ग्राउंड वार्ड नंबर 12 में रहने वाली एक युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

एसआई रिंकू जाटव ने बताया कि लक्ष्मीबाई अहिरवार पिता सीताराम अहिरवार (21) वार्ड नंबर-12, मेला ग्राउंड बैरसिया में रहती थी। वह गृहणी थी और पढ़ी लिखी नहीं थी। उसके भाई कुबेर सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात परिवार के सभी लोगों ने खाना खाया और सो गए थे। सुबह नींद खुली तो उन्होंने बगल वाले कमरे में लक्ष्मीबाई को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

भोपाल, विदिशा व रायसेन समेत नागपुर पुलिस को थी लंबे समय से तलाश

अंतर्राज्यीय गैंग का मुख्य सरगना गिरफ्तार, हत्या डकैती, लूट, नकबजनी, चोरी में था फरार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया पुलिस ने चोरी और नकबजनी की वारदात करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपी शातिर है उसकी तलाश विदिशा, रायसेन समेत नागपुर पुलिस को थी। आरोपी के खिलाफ हत्या डकैती, लूट, नकबजनी, चोरी आर्म्स एक्ट समेत अन्य अपराध दर्ज है।

पुलिस के अनुसार उनि विवेक आर्य को सूचना मिली कि थाना बागसेवनिया मे हो रही चोरी की घटना मे संलप्ति आरोपी रेलवे स्टेशन भोपाल के पास खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए संदेही चंगीराम उर्फ गोकुल पिता शंकर उर्फ उदय सिंह मोंगिया (पारदी) (55) गुलगांव थाना सांची, जिला रायसेन को हिरासत में लिया।

पूछताछ में उसने बताया कि 4-5 महीने पहले उसने बागमुगालिया मे चोरी की घटना को अंजाम दिया था। सख्ती से पूछताछ करने में आरोपी ने प्रदेश में

फाइल फोटो

डकैती, लूट, नकबजनी आर्म्स एक्ट एनडीपीएम एक्ट एवं चोरी करने की बात स्वीकारी। आरोपी नाम पता बदलकर रह रहा था। नागपुर पुलिस द्वारा कई बार आरोपियों की तलाश में डेरे मे दाबिश दे चुकी है, लेकिन आरोपी नहीं मिला। आरोपी पूर्व से कोतवाली थाना, जिला रायसेन में नकबजनी एंव चोरी के अपराध में फरार था। उसके खिलाफ स्थाई/गिरफ्तारी वारंट भी जारी किए गए थे।

टपरे में मिली 60 साल के बुजुर्ग की लाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित नीलबड़ में कल रात टपरे में एक बुजुर्ग की लाश फांसी के फंदे पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। मृतक के परिजन से

फाइल फोटो

संपर्क नहीं हो सका है। पुलिस परिजन से संपर्ककरने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी नीलबड़ चौराहा पर पंचर की दुकान के पीछे बने टपरे में किसी बुजुर्ग की लाश फांसी के फंदे पर लटकी हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि मृतक का नाम सुमेर गिरी (60) है और यहां टपरा किराए से लेकर वह रह रहा?था। टपरे के मालिक से पुलिस ने पूछताछ की, लेकिन मृतक के बारे में उसे भी कुछ ज्यादा जानकारी नहीं थी।

मेट्रो एंकर पत्रकारिता विवि : अध्ययन केंद्रों के लिए आयोजित हुई प्रशिक्षण कार्यशाला

जिले व तहसील स्तर पर भी शुरु होंगे नए कोर्स प्रो. सुरेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) अब जिले और तहसील स्तर पर भी अपने अध्ययन केंद्रों में नए कोर्स शुरु करेगा। इसके साथ ही आईटी की संस्थाओं को मीडिया के पाठ्यक्रम व मीडिया की संस्थाओं को आईटी के पाठ्यक्रम का प्रावधान आगामी सत्र से कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. के.जी. सुरेश ने यह बात कही।

सागर संभाग के अध्ययन केंद्रों के लिए छतरपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सागर संभाग के 125 से भी अधिक संबद्ध अध्ययन संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. के.जी. सुरेश ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रदेश में 1500 से अधिक अध्ययन केंद्र हैं, जहां पर मीडिया एवं आईटी के पाठ्यक्रम संचालित

फाइल फोटो

किया जा रहे हैं। भोपाल में विश्वविद्यालय का खुद का 50 एकड़ का सर्वसुविधायुक्त भव्य नवीन परिसर है। इसके अतिरिक्त तीन अन्य कैंपस भी हैं। कार्यशाला में उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का चित्र संबद्ध अध्ययन संस्थाओं के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। प्रो. सुरेश ने कहा कि अध्ययन संस्थाओं को समृद्ध करने विश्वविद्यालय दृढ़ संकल्पित है। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अविनाश वाजपेयी, निदेशक, संबद्ध अध्ययन संस्थाएं डॉ. बबीता अग्रवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश पाठक और सहायक कुलसचिव विवेक शाक्य ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022